लखनऊ

रविवार, 20 जुलाई, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 11

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

गहरी नदी का जल प्रवाह शांत व गंभीर होता है। - शेक्सपीयर

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी, 2.73 लाख से अधिक लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा सुचारू और शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। पिछले 16 दिनों में 2.73 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा, शनिवार को 6,365 यात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि तीन जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 2.73 लाख से अधिक यात्री पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, 6,365 यात्रियों का एक नया जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के कैनाल रोड स्थित भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3:25 बजे रवाना हुआ, जिसमें 92 वाहनों के साथ 2,851 यात्री बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। वहीं, दूसरा सुरक्षा काफिला सुबह 3:53 बजे रवाना हुआ, जिसमें 119 वाहनों के साथ 3,514 यात्री पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुए। अब तक की यात्रा के दौरान 13 तीर्थयात्रियों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है।

छात्रा से छेड़खानी करने वाला आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक छात्रा से सरेराह छेड़खानी करने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। यह मुठभेड़ चकेरी थाना क्षेत्र में हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल अवस्था में आरोपी को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने एक 12वीं की छात्रा के साथ अश्लील हरकतें की थीं और उस पर अश्लील टिप्पणियां की थीं। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसके बाद कानपुर पुलिस तुरंत हरकत में आई। पीड़िता की तहरीर पर चकेरी थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार टीमों का गठन किया। चकेरी के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अभिषेक कुमार पांडेय ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक मोटरसाइकिल से छात्रा के साथ छेड़खानी करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसी आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। कानपुर पूर्व के डीसीपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि 17 जुलाई की रात करीब 10 बजे आरोपी आदित्य गुप्ता के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई।

2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत: अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव – 2025 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश भर से आए निवेशकों और उद्यमियों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की विकास योजनाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित 1271 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, "जब आप घर जाएं तो डायरी में लिख लें कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।"

अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड न केवल सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अब यह आर्थिक विकास का भी नया केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा, "एक पहाड़ी राज्य में निवेश लाना, मैदानों से कहीं ज्यादा कठिन है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी टीम ने 2023 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में किए गए 3। 56 लाख करोड़ के एमओयू में से अब तक 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतार दिया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।"

अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 10 सालों की आर्थिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, "जब अटल जी की सरकार गई थी तब भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, लेकिन आज पीएम मोदी की दूरदृष्टि के चलते भारत चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है। और मैं दावे के साथ कहता हूं कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है, और यह प्रधानमंत्री मोदी के गरीब कल्याण की नीति का प्रमाण है।

उत्तराखंड से नई ऊर्जा लेकर लौटता हूं

अमित शाह ने कहा, "भारत के विकास के लिए उत्तराखंड का विकास अत्यंत आवश्यक है। जब भी मैं उत्तराखंड आता हूं, एक नई ऊर्जा लेकर लौटता हूं। यह राज्य धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक दृष्टि से समृद्ध होने के साथ अब निवेश और आर्थिक विकास का भी गढ़ बन रहा है।" इस आयोजन में देशभर से उद्योग जगत की बड़ी हस्तियों और निवेशकों ने भाग लिया और राज्य में निवेश के लिए उत्सुकता दिखाई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी निवेशकों को संबोधित करते हुए राज्य में बेहतर औद्योगिक माहौल और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी।

पुर्जे विदेश से, हम बस जोड़ते हैं, मेक इन इंडिया पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समय-समय पर वीडियो पोस्ट करते रहते हैं। इसमें वे तमाम बिजनेस यूनिट के विजिट के दौरान के बातचीत को शेयर करते हैं। शनिवार को भी राहुल गांधी ने X पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने Make in India योजना को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इसका नाम बदलकर असेंबल इंडिया कर देना चाहिए। राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया कि देश में मेक इन इंडिया' के नाम पर केवल असेंबलिंग हो रही है। इसलिए इसका नाम बदल देना चाहिए। रोजगार, विकास और मेक इन इंडिया जैसी बातें सिर्फ भाषण तक ही सीमित हैं।

लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते ग्रेटर नोएडा में टेलीविजन निर्माण से संबंधित एक फैक्टरी का दौरा किया था। जहां लगभग हर रोज 20 हजार से ज्यादा टीवी बनाई जाती हैं। इसका वीडियो राहुल ने शेयर भी किया है। राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि क्या आप जानते हैं कि भारत में बने ज्यादातर TVs का 80% हिस्सा चीन से आता है? मेक इन इंडिया के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में आंधी, बारिश और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत, सीएम ने लिया संज्ञान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते 24 घंटों के दौरान तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली के कहर ने जनजीवन को प्रभावित किया है। राज्य में डूबने से 9 लोगों की और सर्पदंश से एक व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है।

हालात को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित जनपदों के अधिकारियों को राहत कार्यों को तत्काल और प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चित्रकूट में डूबने से पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि बिजनौर में तीन लोग मरे हैं। वहीं, महोबा में एक की डूबने से मौत हो गई है और प्रयागराज में सर्पदंश से एक की मौत हुई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर सर्वेक्षण करें और राहत कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जनहानि या पशुहानि की स्थिति में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाए और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश या जलभराव की स्थिति में त्वरित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, जिला और तहसील स्तर पर अधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है।

प्राकृतिक आपदा के इस दौर में राज्य सरकार राहत कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने की दिशा में काम कर रही है। प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन इकाइयों को भी सक्रिय कर दिया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और प्रभावितों तक हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में गूगल और मेटा को ईडी का नोटिस, 21 जुलाई को पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के आरोप में टेक दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है। इन कंपनियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स ने सट्टेबाजी ऐप्स को विज्ञापन के प्रमुख स्थान दिए और उनकी वेबसाइट्स को अपनी सेवाओं का जरिया बनाया, जिससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिला। यह जांच मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर वित्तीय अपराधों से जुड़ी है।

ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक बड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है। कई ऐप्स खुद को 'स्किल बेस्ड गेम्स' बताकर अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की गई, जिसे हवाला चैनलों के माध्यम से छिपाया गया ताकि जांच से बचा जा सके।

ईडी ने इन ऐप्स के विज्ञापनों को गूगल और मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर प्रमुखता से प्रदर्शित होने का आरोप लगाया है, जिससे इनके यूजर्स बढ़े।

पिछले हफ्ते, ईडी ने तेलुगु राज्यों में 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, मंचू लक्ष्मी और अनन्या नगेला शामिल हैं।

इसके अलावा, टीवी कलाकार, होस्ट और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे श्रीमुखी, श्यामला, वर्षिणी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोभा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साय और बय्या सनी यादव के नाम भी जांच में हैं। इन पर जंगली रम्मी, ए23, जीतविन, परिमैच और लोटस365 जैसे प्लेटफॉर्म्स के प्रचार का आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं।

यह जांच पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 1867 और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हो रही है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई शुरू की। मार्च में, साइबराबाद पुलिस ने भी विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज सहित कई हस्तियों के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार का मामला दर्ज किया था। हालांकि, इन हस्तियों ने सफाई दी कि वे किसी अवैध ऐप का प्रचार नहीं कर रहे थे। ईडी अब इन सभी मामलों की गहन जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी में है।

सीबीआई ने बीएसएफ कार्यालय में तैनात अधिकारी को घूस लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएएओ) में कार्यरत लेखा परीक्षा अधिकारी (एएओ) को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने आरोपी को 40,000 रुपए की रिश्वत लेते समय पकड़ा। सीबीआई ने शुक्रवार को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी एएओ ने शिकायतकर्ता के वेतन और एरियर बिल को पास करने के बदले कुल लंबित बिल राशि का 15 से 20 प्रतिशत यानी लगभग 2 लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के बाद आरोपी एएओ और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 2 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति जताई। इसके बाद सीबीआई ने शुक्रवार को जाल बिछाया और आरोपी एएओ को शिकायतकर्ता से 40,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानमंत्री संग्रहालय पहुंचे हिमेश रेशमिया, कहा– 'एक कनेक्शन महसूस हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सिंगर एवं एक्टर हिमेश रेशमिया शुक्रवार को दिल्ली के प्रमुख टूरिज्म स्मारक प्रधानमंत्री संग्रहालय में गए। इस दौरान उनके साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री संग्रहालय में जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए हिमेश रेशमिया ने खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा, मैं बहुत आनंदित हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि यहां पर आने का अवसर मिला। यहां मौजूद लोगों और माहौल के साथ जो कनेक्शन है, उसे महसूस किया जा सकता है। जो भी यहां पर अभी तक नहीं आया है, अगर उसे यहां पर आने का मौका मिले, तो वो जरूर आए। प्रधानमंत्री संग्रहालय में आकर लोगों को देश की संस्कृति के साथ एक जुड़ाव महसूस होगा। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, बहुत अच्छा लगा कि हिमेश रेशमिया यहां पर समय निकालकर आए। आधुनिक टूरिज्म मॉन्यूमेंट्स में से एक प्रधानमंत्री संग्रहालय है। इसी तरह कर्तव्य पथ, अमृत उद्यान और अंबेडकर सेंटर भी हैं। ये सभी नए भारत के पर्यटन स्थल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इनका निर्माण किया है। ये सभी आधुनिक दिल्ली की पहचान बन चुके हैं। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि जो लोग भी दिल्ली आए, वो यहां पर जरूर आए। दिल्ली टूरिज्म मैप और देश के टूरिज्म मैप पर इन आधुनिक पर्यटन स्थलों का निर्माण किया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का बड़ा एक्शन, आतंकियों की तलाश के लिए घाटी के चार जिलों में 10 जगहों पर चलाया अभियान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंक से जुड़े एक मामले में श्रीनगर की कई जगहों पर तलाशी अभियान जारी है। इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस विंग एक आतंकी मामले के सिलसिले में घाटी में कई जगहों पर तलाशी ले रही है।

अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) द्वारा कश्मीर घाटी के चार जिलों में 10 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। आतंकवादी स्लीपर सेल और भर्ती मॉड्यूल का पता लगाने के लिए तलाशी ली जा रही है।उन्होंने बताया कि सीआईके की तलाशी गंदेरबल में छह, बडगाम में दो और पुलवामा व श्रीनगर में एक-एक जगह पर ली जा रही है।

अहंकार और सीट बंटवारे में देरी चुनावों में हार के लिए जिम्मेदार', उद्धव ने एमवीए की एकता पर उठाए सवाल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में गर्माहट तेज हो गई है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाविकास अघाड़ी गठबधंन दलों की एकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में सीट बंटवारे और उम्मीदवार तय करने में हुई देरी को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर सवाल उठाए हैं। ठाकरे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद गठबंधन दलों में एकता कम और दलगत जीत की होड़ ज्यादा दिखने लगी, जिससे जनता में गलत संदेश गया और हार का कारण बना।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर अंत तक खींचतान चलती रही। कई जगहों पर उम्मीदवार तय ही नहीं हो पाए। अगर ऐसी ही गलतियां होती रहीं तो फिर साथ रहने का क्या फायदा? ठाकरे ने बताया कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को कुछ ऐसी सीटें गठबंधन सहयोगियों को देनी पड़ीं, जहां शिवसेना (यूबीटी) पहले कई बार जीत चुकी थी। ठाकरे ने कहा कि अब वक्त है आत्ममंथन का, क्योंकि अगर गठबंधन में यही हाल रहा, तो जनता का भरोसा टूट जाएगा।

ठाकरे का मानना है कि चुनाव के दौरान 'लड़की बहन योजना' जैसे वादों ने जनता को भ्रमित किया और एमवीए नुकसान में रहा। उन्होंने ईवीएम घोटाले, फर्जी वोटर लिस्ट और अचानक वोटर संख्या बढ़ने जैसे मुद्दों को लेकर भी चिंता जताई, लेकिन कहा कि सिर्फ बहाने नहीं बनाने चाहिए अपनी गलतियां भी माननी होंगी।

गौरतलब है कि 2024 लोकसभा चुनाव में एवीए ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीती थीं। लेकिन पांच महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन (भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट) ने करारी जीत दर्ज की। विधानसभा में 288 सीटों में से भाजपा को 132, शिंदे की शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। वहीं विपक्षी एमवीए को कुल 46 सीटें मिलीं, जिनमें उद्धव ठाकरे गुट को 20, शरद पवार गुट को 16 और कांग्रेस को 10 को मिलीं।

तेजस्वी यादव का केंद्र सरकार पर तंज, गाने के जरिए साधा निशाना

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अभी दो से तीन महीने की देरी है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। दोनों के बीच बयानबाजियों का दौर जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अपनी एकदिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में मोतिहारी पहुंचे और 7200 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं की सौगात प्रदेश को दी। इस पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसा है।

तेजस्वी ने शनिवार को एक गाना लॉन्च किया है, जिसमें भाजपा के कई वादों को उठाया गया है। इस गाने को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर गाने का वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है, मोदी जी ओ मोदी जी, आदरणीय मोदी जी, आपके झूठ और जुमलों से तंग आकर बिहारवासियों ने आपको यह गाना समर्पित किया है।

इस गाने में जहां बंद पड़ी चीनी मिल के फिर से शुरू करने के वादे नहीं निभाने का जिक्र किया गया, वहीं यह भी कहा गया कि बिना चुनाव के पीएम मोदी नहीं आते हैं। इसके अलावा बिहार में पुल टूटने और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति को लेकर भी निशाना साधा गया है।

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने भी पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर तंज कसते हुए सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, जुमला सुनाने बिहार क्या मतदाता सूची में हेरा-फेरी के बाद आओगे? बिहारी, हेरा-फेरी तो होने देंगे नहीं?

सावन में महिलाओं की अटूट साधना, दशाश्वमेध घाट से सोमेश्वर महादेव तक पैदल यात्रा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। सावन के पवित्र महीने में प्रयागराज के दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट पर कांवड़ियों का उत्साह देखने को मिल रहा है। हर दिन सैकड़ों कांवड़ियां यहां से गंगाजल भरकर विभिन्न शिवधामों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। कोई काशी विश्वनाथ, कोई बाबा बैद्यनाथ धाम, तो कोई अन्य शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने जा रहा है। इस बार सावन में महिला कांवड़ियों ने भी उत्साह के साथ कांवड़ यात्रा शुरू की है।

शनिवार को दशाश्वमेध घाट पर बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र हुईं और गंगाजल से भरी कांवड़ लेकर 'बोल बम-बोल बम' के जयकारों के साथ सोमेश्वर महादेव मंदिर की ओर पैदल रवाना हुईं। इन महिला कांवड़ियों में युवतियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक सभी शामिल थीं।

महिला कांवड़ियों ने बताया कि वे हर साल सावन में दशाश्वमेध घाट से गंगाजल भरकर सोमेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने जाती हैं। यह यात्रा भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। कांवड़िया सुष्मिता शर्मा ने कहा कि हम स्थानीय लोग हैं और हर साल दशाश्वमेध घाट से गंगाजल भरकर सोमेश्वर महादेव मंदिर जाते हैं। पैदल यात्रा के साथ जल चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और हमारे घर-परिवार को सुख-समृद्धि मिलती है। यह हमारी भक्ति और समर्पण का हिस्सा है।

युवा कांवड़िया माही ने कहा कि यह मेरा पहला मौका है जब मैं बाबा सोमेश्वर नाथ के लिए कांवड़ लेकर जा रही हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और भगवान शिव के प्रति मेरी श्रद्धा को व्यक्त करने का यह खास अवसर है। माही ने आगे कहा कि इस यात्रा में शामिल होने से उन्हें भक्ति का अनुभव हो रहा है।

चाका नैनी से आईं एक बुजुर्ग महिला कांवड़िया ने कहा कि गंगा जी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, फिर भी हम दशाश्वमेध घाट से जल भरकर सोमेश्वर महादेव को चढ़ाने जा रहे हैं। हमारी कामना है कि हमारे घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहे और देश-विश्व का कल्याण हो।

ऊर्जा मंत्री को नहीं करने दिए बांके बिहारी के दर्शन, मंदिर पहुंचते ही हंगामा...द्वार पर लगा दिया पर्दा

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। वृंदावन के श्रीबांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और न्यास गठन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शुक्रवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के मंदिर आगमन पर सेवायतों और स्थानीय महिलाओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मंदिर की महिलाएं काली पट्टी बांधकर भगवान के दर्शन के लिए पहुंचीं और नारेबाजी करते हुए मंत्री के खिलाफ विरोध जताया। विरोध के दौरान पुलिस पर महिलाओं से बदसलूकी करने के आरोप भी लगे हैं।

सीओ सदर संदीप सिंह ने महिलाओं के हाथ से काली पट्टी पर लिखे स्लोगन छीन लिए। इस बात पर एक गोस्वामी और सीओ में कहासुनी भी हो गई। सेवायतों ने भी विरोध का स्वर ऊंचा करते हुए मंदिर का पर्दा गिरा दिया। जिसके चलते मंत्री शर्मा को केवल कुछ सेकंड के लिए ही भगवान बांके बिहारी के दर्शन हो सके। उन्हें न तो प्रसाद दिया गया और न ही परंपरागत पटका पहनाया गया।

ऐसी स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने मंत्री शर्मा को 4 नंबर गेट से बाहर निकाला। इसके बाद जब वे वीआईपी रोड स्थित जुगल गोस्वामी की गद्दी पर पहुंचे, वहां भी नाराज़ महिलाएं प्रदर्शन करते हुए पहुंच गईं और नारेबाजी शुरू कर दी।

विरोध के बीच मंत्री ने चार महिलाओं को अंदर बुलाकर उनकी बातें सुनीं। महिलाओं ने कॉरिडोर निर्माण को लेकर अपनी पीड़ा मंत्री के सामने रखीं। इस पर मंत्री एके शर्मा ने कहा कि वे जनता की भावनाओं का पूरा सम्मान करते हैं और किसी भी फैसले में उनकी सहमति को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिम्मेदार सोते रहे, सड़क को खुद गड्ढामुक्त करने में जुटे बुलंदशहर के 'दशरथ मांझी'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बीबीनगर (बुलंदशहर)। जिस तरह बिहार में दशरथ मांझी ने खुद पहाड़ काटना शुरू कर दिया था। उसी तर्ज पर जिले के किसान ने सरकारी अमले से निराश होकर खुद जर्जर मार्ग के गड्ढे भरना शुरू कर दिया है। किसान ने सड़क को गड्ढामुक्त करने के लिए सरकारी विभागों, आला प्रशासनिक अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई। इसके बाद भी तंत्र सोता रहा और गड्ढों में गिरकर आमजन व बच्चे चोटिल होते रहे। तब किसान खुद फावड़ा उठाकर मार्ग को गड्ढामुक्त करने के प्रयास में जुट गया। किसान ने ट्रैक्टर-ट्राली में मलबा भरा और फावड़े से मलबे को गड्ढों में भर दिया।

नगर पंचायत बीबीनगर के वार्ड संख्या चार धारा सिंह की मढ़ैया का मुख्य संपर्क मार्ग जर्जर और बदहाल है। मार्ग पर गड्ढों की भरमार हो गई। उक्त मार्ग के निर्माण की मांग वार्ड निवासियों ने संबंधित विभाग के आला अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी से कई बार की, लेकिन नतीजा शून्य रहा। बीबीनगर-गुलावठी मुख्य मार्ग पर अग्नि शमन केंद्र के सामने से धारा सिंह की मढ़ैया को जोड़ने वाले उक्त संपर्क मार्ग से दो पहिया, चार पहिया, भैंसा बुग्गी व ट्रैक्टर ट्राली के अतिरिक्त स्कूल वाहन भी गुजरते हैं। सड़क की हालत खराब होने के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। प्रशासन से निराश होकर धारा सिंह की मढ़ैया निवासी किसान नरेंद्र सिरोही ने स्वयं फावड़ा उठाकर व्यवस्था पर चोट की है। नरेंद्र स्वयं ट्रैक्टर ट्राली से मलबा लाकर गड्ढों को भर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलबे से अधिकांश बड़े गड्ढे भरे जा चुके हैं। शेष भी जल्द भर देंगे। दो वर्ष पूर्व भी उन्होंने उक्त मार्ग के गड्ढों को स्वयं ही भरा था। नगर पंचायत अध्यक्ष गुड्डी ने बताया कि उक्त मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। मार्ग की नाप भी हो चुकी है। नगर पंचायत व क्षेत्रीय विधायक द्वारा विभाग को पत्र भी लिखा जा चुका है। जल्द ही मार्ग का निर्माण कार्य आरंभ होगा।

आधी रात को महिला चिकित्सक का दरवाजा खटखटाया, बोला मैं बाल काटने आया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हापुड़। कस्बे में अति सुरक्षित कॉलोनी में आधी रात को दूसरे संप्रदाय के युवक के घुस जाने और एक महिला चिकित्सक का दरवाजा खटखटाने पर विवाद हो गया है। उक्त कॉलोनी में आस-पास के तीन मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु चिकित्सक व चिकित्सक छात्र रहते हैं। छात्रों ने उक्त युवक को पकड़ लिया और जमकर हंगामा किया। जांच करने पर पता चला कि गेट पर उसकी एंट्री तक नहीं थी। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है। वहीं, आरडब्ल्यूए आरोपित के बचाव में उतर आई है।

यह कॉलोनी कही जाती है सबसे सुरक्षित

कस्बे में तीन मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें कई राज्यों के युवा चिकित्सा की पढ़ाई करते हैं। वहीं, दर्जनों प्रशिक्षु चिकित्सक भी इसी कॉलोनी में रहते हैं। शहर में इस कॉलोनी को सबसे सुरक्षित माना जाता है। गेट पर 24 घंटे सुरक्षा रहती है। आरडब्ल्यूए का दावा है कि बिना एंट्री और विधिवत जांच के कोई प्रवेश नहीं कर सकता है। ऐसे में दूर-दराज के परिवार खासकर अपनी बेटियों को उक्त कॉलोनी में आवासीय फ्लैट दिलाकर सुरक्षित महसूस करते हैं। इस कॉलोनी में कई टावर हैं, जिनमें सैकड़ों छात्र रहते हैं।

पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही

शुक्रवार रात को करीब सवा 12 बजे एक मेडिकल कॉलेज की शिक्षार्थी चिकित्सक के कमरे का दरवाजा खटखटाया गया। उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा तो कस्बे का एक मुस्लिम युवक खड़ा था। उसने कहा कि छात्रा के बाल काटने के लिए आया हूं। इस पर छात्रा ने रात में आने पर आपत्ति जताते हुए शोर मचा दिया। इस पर आसपास के दर्जनों छात्र एकत्र हो गए। उन्होंने युवक की वीडियो बनाई और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। छात्रों ने गेट पर सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ की तो उनके पास उक्त युवक के अंदर जाने की एंट्री तक नहीं थी। सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि वर्षा होने के कारण वह एंट्री नहीं कर पाए थे। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

क्या कहा आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ने...

"रात में कॉलोनी में पहुंचा युवक पहले से आता-जाता रहा है। वह पहली रात को भी गया था। चिकित्सक दिन में ड्यूटी पर रहती हैं, ऐसे में रात को बाल कटवाने के लिए बुलाती हैं। इस छात्रा के यहां पर वह गया था, उसके कमरे में भी कटे हुए बाल पड़े थे। कुछ लोग बेवजह मामले को तूल दे रहे हैं।"

-श्रीनिवास चौधरी, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए।

अवध इकाई ने गुरु सम्मान समारोह किया आयोजित

सुलतानपुर। कलेक्ट्रेट परिषर में अधिवक्ता परिषद अवध इकाई सुल्तानपुर द्वारा गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता सूर्यप्रकाश पाण्डेय एडवोकेट, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्जवलन व वन्देमातरम गीत से हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार उपाध्याय एडवोकेट, रामकुमार सिंह एडवोकेट, हरदेव मिश्र एडवोकेट, को अंगवस्त्र व माला पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गुरु सम्मान के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सर्वेश कुमार मिश्रा एडवोकेट ने की, अध्यक्षता अध्यक्ष हरिश्चन्द्र दुबे एडवोकेट ने की। कार्यक्रम में विपिन कुमार मिश्रा एडवोकेट अध्यक्ष अनुशाशन समिति बार एसोशियशन ,कोषाध्यक्ष देवेंदर पाठक एडवोकेट, संतोष कुमार पाठक एडवोकेट, पुष्पलता मौर्य एडवोकेट, दिनेश कुमार दुबे एडवोकेट, संतोष कुमार मिश्र एडवोकेट, समरबहादुर सिंह एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

दीनू के बाद उसका भाई भी गिरफ्तार, प्लाट कब्जाकर मांगी थी रंगदारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। पिंटू सेंगर हत्याकांड में जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय को पुलिस ने प्लाट पर कब्जा कर रंगदारी मांगने व मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया है।शनिवार को पुलिस उसे जेल भेजने की तैयारी कर रही है। आरोपित पर नवाबगंज, चकेरी समेत थानों में नौ मुकदमे दर्ज हैं।

लालबंगला के काजीखेड़ा निवासी मनोज कुमार गुप्ता के मुताबिक, उनका देहली सुजानपुर में प्लाट है। क्षेत्र के राम भरोसे ने अपने साथीअमन शुक्ला, नीरज दुबे, अनूप शुक्ला, रचित पाठक व दीपक जादौन समेत लोगों के साथ फर्जी दस्तावेज बना प्लाट पर कब्जा करने का प्रयास किया।

पत्नी कंचन ने पुलिस से शिकायत की। इससे खुन्नस खाकर तीन नवंबर 2022 की सुबह कब्जा करने के इरादे से प्लाट पर 20- 25 लोग लाठी डंडे लेकर आए और बेटे पर हमलाकर लहूलुहान कर दिया। अमन समेत हमलावरों ने प्लाट छोड़ने के लिए 50 हजार की रंगदारी मांगी। इस दौरान बेटे की चेन भी तोड़ ली।

पीड़ित ने छह नामजद और 25 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें पुलिस ने जांच की तो गिरोह में जेल में बंद दीनू उपाध्याय का भाई नवाबगंज निवासी संजय उपाध्याय का नाम भी प्रकाश में आया। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि संजय को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में बनी गांव के विकास की रणनीति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बल्दीराय ब्लॉक सभागार में शनिवार को क्षेत्र पंचायत की महत्वपूर्ण बैठक ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गांवों के समग्र विकास और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रणनीति तय की गई। बैठक में मनरेगा, पंचम वित्त आयोग, पेंशन, कृषि रक्षा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, बाल विकास, और स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं पर गहन चर्चा हुई। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य ईमानदारी से कार्य करें ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सीएचसी बल्दीराय के डॉक्टर शशि प्रकाश सिंह ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने में सहयोग की अपील की। बीडीओ बल्दीराय राधेश्याम ने सभी प्रतिनिधियों से उनकी ग्राम सभाओं की समस्याएं साझा करने को कहा,जिससे उन्हें प्राथमिकता से हल किया जा सके। बैठक में विकास को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हुआ और योजनाओं की जमीनी हकीकत को सामने लाने की कोशिश की गई। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य बद्रीनाथ यादव, एसडीओ विद्युत मार्तण्ड प्रताप सिंह,पशु चिकित्सा अधिकारी राहुल गुप्ता, सीडीपीओ अजीत कुमार, एपीओ मनरेगा नवीन मिश्रा,मनोज यादव, प्रधान संघ अध्यक्ष श्रीपाल पासी,पशु चिकित्सक डॉ.सुशील यादव, प्रधान मोहम्मद सम्मू, बजरंग सिंह,प्रधान प्रतिनिधि शाकिर अब्बास समेत कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर सीएमओ के बाद डीएम का सराहनीय कदम

सड़क हादसे में घायलों को पहुंचाया अस्पताल, लोडर चालक को पकड़ने के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में सीएमओ के बाद डीएम की ओर से घायलों की मदद का वीडियो वायरल हो रहा है। उनके इस सराहयनीय कदम की लोग सराहना कर रहे हैं। डीएम ने सड़क हादसे में घायल युवकों को देख गाड़ी रुकवाई और उन्हें अस्पताल भेजा।

बिठूर के गंगा बैराज मार्ग मटका चौराहे के पास लोडर की टक्कर लगने से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए थे जिलाधिकारी की गाड़ी उसी रोड से निकल रही थी उन्होंने गाड़ी रुकवा तुरंत घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती करा इंस्पेक्टर को लोडर को पकड़ने के निर्देश दिए जिससे आस पास से गुजरने वाले राहगीर और दुकानदार ने मदद देख जिलाधिकारी की प्रशंसा करते दिखे।

शनिवार सुबह जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह गंगा बैराज मार्ग से सम्पूर्ण समाधान दिवस बिल्हौर जा रहे बिठूर के सिंहपुर मटका चौराहे के पास नवाबगंज की तरफ जा रहे लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप घायल हो गए जिसमे चौबेपुर निवासी 45 वर्षीय सतीश चंद्र शर्मा 40 वर्षीय प्रकाश और कन्नौज निवासी 30 वर्षीय संदीप कुमार घायल हो गए थे तीनों युवक एक ही बाइक से कल्याणपुर की तरफ जा रहे थे।

जिलाधिकारी ने गाड़ी रुकवाई और तुरंत स्थानीय पुलिस के माध्यम से चौराहे के पास पारस अस्पताल में भर्ती कराया तब तक लोडर गंगा बैराज की तरफ भाग गया लोडर चालक को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर नबाबगंज को निर्देश दिया। आस पास के लोगो ने जिलाधिकारी को मदद करते देख सराहना करते रहे।

बता दें कि तत्कालीन सीएमओ डा. उदयनाथ मंधना से अस्पताल का निरीक्षण करके लौट रहे थे। तभी रास्ते में हादसे में घायल बाइक सवार तड़प रहा था। उसे देखकर उन्होंने गाड़ी रुकवाई और उसे गाड़ी से अस्पताल भेजा।

भुट्टा थूकने पर हुए झगड़े में बच्चे की मौत, 12 वर्षीय आरोपित ने 10 वर्ष के बालक के प्राइवेट पार्ट में मारी लात

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहाबाद/आगरा। फतेहाबाद के कुतकपुर गोला गांव में शुक्रवार को भुट्टा खाकर थूकने पर बच्चों के बीच हुए झगड़े में 10 वर्ष के बालक की मृत्यु हो गई। आरोप है कि मारपीट के दौरान 12 वर्ष के आरोपित ने बालक के पैरों के बीच प्राइवेट पार्ट में लात मार दी। जिससे बालक बेहोश हो गया, परिवार के लोग चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे तो उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वजन बच्चे के शव को लेकर घर आ गए। पुलिस ने उन्हें समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बालक के स्वजन ने फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी है।

घटना शुक्रवार दोपहर 4ः30 बजे की है। कुतकपुर गोला के रहने वाले सुरेश चंद का 10 वर्षीय पुत्र अजय और 12 वर्षीय बालक गांव में भानू प्रताप सिंह त्यागी की परचून की दुकान पर भुट्टे से दाना निकालकर खा रहे थे। इसी दौरान अजय ने मक्के के दाने को खाने के बाद थूक दिया। पास में ही कई भुट्टे रखे थे। जिस पर 12 वर्षीय बालक और अजय में कहासुनी हो गई।

फतेहाबाद के कुतकपुर गोला की घटना, भुट्टा खाकर थूकने पर हुआ झगड़ा

दोनों बालकों में झगड़ा होने लगा।मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार मारपीट के दौरान बालक ने अजय के पैरों के बीच प्राइवेट पार्ट में लात मार दी।जिससे वह बेहोश होकर गिर गया। लोगों की सूचना पर पहुंचे स्वजन अजय को निजी अस्पताल लेकर गए। वहां उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोग शव को घर ले आए। अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। उसने परिवार के लोगों को समझाकर शव का पोस्टमार्टम कराने को तैयार किया। डीसीपी पूर्वी जोन सैयद अली अब्बास ने बताया कि बच्चों के बीच झगड़ा हुआ था। स्वजन ने किसी के विरुद्ध कोई तहरीर नहीं दी है।

मां दिव्यांग, पिता की हो चुकी है मृत्यु

अजय की मां अनीता पैरों से दिव्यांग हैं। जबकि पिता सुरेश चंद की कैंसर के चलते आठ वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। बड़ा भाई अतुल अपने मामा के पास गढ़ी मोहनलाल में रहता है। बेटे की मृत्यु की जानकारी होने पर मां अनीता का रोकर बुरा हाल था। मां अनीता ने बताया कि बेटा कुछ दुकान तक चिप्स लेने की कहकर गया था।

सदमे में 12 वर्षीय बालक

झगड़े में बालक के जान गंवाने से आरोपित 12 वर्षीय बालक उसका परिवार सदमे मे है। बस्ती वालों ने बताया कि दोनों के बीच कोई इससे पहले कोई झगड़ा नहीं हुआ था। अजय की मृत्यु का पता चलने पर बालक सदमे में आ गया। उसकी हालत देख अजय के स्वजन ने पुलिस में कोई कार्रवाई नहीं की।

शिव भक्तों की परीक्षा लेगी परिक्रमा... 43 KM में कहीं गड्ढे हैं तो कहीं कंकड़ और गंदगी के ढेर

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। सावन में शहर के शिव मंदिर श्रद्धालुओं के जयघोष से गूंज रहे हैं। रविवार को शहर के चारों कोनों पर स्थित प्राचीन शिवालयों की परिक्रमा होगी। परिक्रमा में मात्र कुछ घंटे बचे हैं लेकिन परिक्रमा मार्ग अब तक खराब है, जो भोले के भक्तों की परीक्षा लेंगे।

परिक्रमा करीब 43 किमी है, जिसके मार्ग में कहीं कहीं गड्ढे हैं तो कहीं कंकड़ और कहीं गंदगी के ढेर। कहीं शिव भक्तों के पैरों में कंकड़ चुभेंगे तो कहीं कूड़े से उठती दुर्गध उन्हें परेशान करेगी। साथ ही रात्रि में अंधेरे रास्ते भी उनकी परीक्षा लेंगे।

परिक्रमा मार्ग में राजेश्वर महादेव मंदिर से लेकर पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर करीब नौ किमी की दूर है। राजपुर चुंगी रोड पर कई जगह गड्ढे हैं। आगे बढ़ने पर माल रोड बेहतर थी इसलिए श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा मुश्किल नहीं होगी। तारघर चौराहा से वह बालूगंज रोड पर पेट्रोल पंप के करीब गड्ढे उनकी परीक्षा लेंगे।

आगे जिला पंचायत कार्यालय से लेकर आइजी कैंप कार्यालय तक सड़क की दशा भी ऐसी ही है।

रविवार शाम से आरंभ होगी नगर परिक्रमा

छीपीटोला में भी गड्ढे भरी सड़क श्रद्धालुओं को परेशान करेगी। एमजी रोड मेट्रो के काम के कारण पहले ही बेहाल है। कलेक्ट्रेट तिराहा से तहसील मार्ग, शाहगंज होते हुए रोड सही है लेकिन तहसील और जैन दादाबाड़ी के पास कूड़ाघर बने हैं।

कई मार्गों पर गड्ढे, गंदगी, जलभराव और अंधेरा भी बनेगा बाधा

पृथ्वीनाथ मंदिर से थोड़ा आगे रेलवे फाटक से केदारनगर की तरफ से मार्ग जगह-जगह खराब है। कीचड़ और गंदगी भी है। पृथ्वीनाथ मंदिर के पीछे झूले लगाए जा रहे हैं। वहीं रामनगर से बोदला तक भी मार्ग बीच-बीच में खराब है। हालांकि बोदला से सिकंदरा और कैलाश मोड तक हाईवे का मार्ग एकदम सही है। कैलाश गांव तक का मार्ग थोड़ा खस्ताहाल है। वहीं वनखंडी महादेव के रास्ते में श्रद्धालुओं के पैरों में कंकड शूल बनकर चुभेंगे।

शिक्षा मित्र विद्यालय की रीढ़ हैं: बीईओ लंभुआ

लम्भुआ/सुलतानपुर। सप्राथमिक विद्यालय मकसूदन में कार्यरत शिक्षामित्र मिथिलेश सिंह के विद्यालय के अंतिम कार्य दिवस होने पर विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह व ग्राम प्रधान रवि शंकर मिश्रा व विशिष्ट अतिथि रणवीर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन किया तत्पश्चात बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी लम्भुआ अजय सिंह ने कहा कि आपके विद्यालय में योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा, आर्थिक रूप से कम मानदेय प्राप्त करते हुए आपने शत प्रतिशत अपना योगदान दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। उत्तर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रणवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक व शिक्षामित्र कभी सेवा निवृत्त नहीं होता वल्कि उसकी सेवाएं समाज को जीवन पर्यन्त मिलती रहती हैं।

लखनऊ में 4 साल की बच्ची से हैवानियत, मासूम ने रो-रोकर सुनाई स्कूल वैन के ड्राइवर की करतूत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर में एक प्रतिष्ठित स्कूल के वैन चालक ने मानवता को शर्मसार करने वाली घटना को अंजाम दिया है। स्कूल वैन चालक मोहम्मद आरिफ पर चार साल की मासूम बच्ची के साथ स्कूल ले जाते समय वैन में दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि बच्ची ने अपनी मां को आपबीती सुनाई। इसके बाद मां ने स्कूल प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

फिर मां ने हिम्मत दिखाते हुए इंदिरानगर थाने में वैन चालक और स्कूल प्रबंधक संदीप कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के

मुताबिक, हरदोई के कोतवाली देहात निवासी एक महिला अपनी चार साल की बेटी के साथ इंदिरानगर में रहती हैं। उन्होंने अपनी बेटी का दाखिला इंदिरानगर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में कराया था।

बच्ची के प्राइवेट पार्ट में दर्द

स्कूल प्रबंधक संदीप कुमार ने बच्ची के लिए स्कूल वैन की व्यवस्था की थी। 14 जुलाई को जब बच्ची दोपहर में स्कूल से घर लौटी, तो वह काफी डरी और परेशान थी। मां ने देखा कि बच्ची के प्राइवेट पार्ट में दर्द है और वह बार-बार रो रही है। मां तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले गईं, जहां बच्ची के प्राइवेट पार्ट में जख्म होने की पुष्टि हुई। रोते हुए बच्ची ने मां को बताया कि सुबह स्कूल ले जाते समय वैन चालक मोहम्मद आरिफ ने उसके साथ 'शैतानी' की। बच्ची ने चालक की घिनौनी करतूत का खुलासा किया। बोली- आरिफ अंकल ने मेरे साथ गंदी हरकत की। मां के अनुसार, उस समय वैन में बच्ची अकेली थी। यह सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई।

आरोपी ने दी परिवार को धमकी

मां ने तुरंत स्कूल पहुंचकर प्रबंधक संदीप कुमार से शिकायत की, लेकिन उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब मां ने आरोपी चालक आरिफ से बात की, तो उसने धमकी दी कि अगर इस मामले को आगे बढ़ाया तो बच्ची को गायब कर देगा और पूरे परिवार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। डराने-धमकाने के बावजूद मां ने हार नहीं मानी और बृहस्पतिवार को इंदिरानगर थाने में तहरीर दी। बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वैन चालक मोहम्मद आरिफ और स्कूल प्रबंधक संदीप कुमार के खिलाफ गंभीर धाराओं पर मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एसपी गाजीपुर ए। विक्रम सिंह को सौंपी गई है। पुलिस ने शुक्रवार दोपहर आरोपी चालक आरिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बच्ची को डराया-धमकाया गया

पुलिस के अनुसार, दुष्कर्म के दौरान बच्ची ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे मारपीट कर डराया। इस वजह से मासूम दहशत में है और अभी भी सदमे से उबर नहीं पाई है। बच्ची ने बहुत मुश्किल से अपनी मां को आपबीती बताई, जिसके बाद यह मामला सामने आया। पुलिस के लिए वैन की बरामदगी अहम है, क्योंकि घटना उसी में हुई। एसीपी के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर वैन की तलाश की जा रही है। पुलिस को शक है कि आरिफ पहले भी अन्य बच्चियों के साथ ऐसी हरकत कर चुका हो सकता है।

विभूतिखण्ड थाना पुलिस की रात्रि गश्त के दौरान बड़ी सफलता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विभूतिखण्ड थाना क्षेत्र में पुलिस को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। रात्रि गश्त के दौरान पुलिस टीम ने शुक्रवार रात एक संदिग्ध युवक को पकड़ा, जिसके पास से 1190 ग्राम नाजायज गांजा और पांच पुड़िया बरामद की गईं।

युवक पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।प्रेस नोट के मुताबिक, 18 जुलाई की रात जब विभूतिखण्ड पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास से 1190 ग्राम गांजा और पांच पुड़िया मिलीं। पूछताछ में उसने बताया कि वह राह चलते लोगों को गांजे की पुड़िया बेचता है और उससे मिले पैसे से अपने शौक पूरे करता है।गिरफ्तार युवक की पहचान मोहम्मद कलाम पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद रईस के रूप में हुई है, जो वर्तमान में विभूतिखण्ड स्थित बिग बस क्लब के पीछे मडईया में रह रहा है।

उसका मूल निवास ग्राम भानमऊ, थाना कोठी, जनपद बाराबंकी है। युवक की उम्र 22 वर्ष बताई गई है।इस मामले में विभूतिखण्ड थाने में मु.अ.सं. 0280/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को विधिक कार्रवाई के तहत जेल भेजा जा रहा है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक आसित कुमार यादव, इरशाद अहमद, राजेश कुमार यादव और शिवांशु सिंह शामिल रहे। थाना प्रभारी ने बताया कि नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए आगे भी इसी तरह की कार्यवाहियां लगातार जारी रहेंगी।

किसान के साथ 20 लाख की ठगी

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में एक किसान से 20 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। क्षेत्र के रहने वाले किसान रामपाल ने अपनी जमीन का कुछ हिस्सा एक कंपनी को बेचा था। जिसकीं एवज में कंपनी ने किसान के खाते में पैसा ट्रांसफर के दौरान 16 लाख ज्यादा कर दिए। जिसकीं वापसी के लिये कंपनी ने किसान को कहा । किसान ने अपने खाते से रकम निकाल कर देने को तैयार हुआ। किसान के मुताबिक तभी कंपनी का नाम बता कर दो लोग उंसके पास आये और बैंक ले जा कर 20 लाख रुपए निकलवा लिए। पीड़ित किसान ने अपने साथ हुई ठगी की जानकारी होने पर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस किसान की निशानदेही के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी है।

अन्तर्राज्यीय दो शराब तस्कर गिरफ्तार 4691 लीटर शराब बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस टीम द्वारा शनिवार को 02 शातिर अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर को शराब की 14484 बोतलों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पकड़े गए व्यक्तियों ने बताया कि बिहार में शराब बंदी के कारण तीन गुना रेट पर शराब बिकती है। शराब को बिहार प्रांत में कहां पर उतारना है, इसके सम्बन्ध में हम लोग माल भेजने वाले व खरीदने वाले से सिग्नल मोबाइल ऐप के माध्यम से वार्ता करते हैं। पकड़े गये व्यक्तियों को उनके जुर्म से अवगत कराते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया।

दिनांक 18 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई कि वाहन संख्या UP23BT0307 में DCM में पंजाब प्रांत से बिहार प्रांत अवैध अंग्रेजी शराब तस्करी की जा रही है, जो टाटा मोटर्स के सामने कबीरपुर में खड़ी है। सूचना पर तत्काल थाना गोसाईगंज पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर वाहन संख्या UP23-BT-0307 में

बैठे दो व्यक्तियों को नीचे उतारकर उनका नाम पता पूछा गया तो ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम दिनेश कुमार तथा ड्राइवर के बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम जगदीश बताया। पकड़े गये व्यक्तियों से वाहन पर लदे सामान के बारे में पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि इसमें लोहे की पाइप लदी हुई है। जिसका बिल मांगने पर उनके द्वारा आर. के. इंटरप्राइजेज दिल्ली से जारी 10 टन लोहे के पाइप का बिल दिखाया गया जो कि विपिन इंटरप्राइजेज असम के नाम तैयार किया गया था। जिस पर इन्वॉयस नम्बर 1/2025-26 एवं दिनांक 15.07.2025 अंकित था। इस पर पुलिस टीम द्वारा डीसीएम वाहन को चेक किया गया तो डीसीएम के पीछे लोहे की लगभग 1.5 फुट लम्बाई की पाइप जिसपर काफी मात्रा में वेल्डिंग की गयी थी तथा डीसीएम के ऊपर 120 पाइप 20 फुट लम्बाई की लदी हुई थी। जिससे बाहर से देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वास्तव में गाड़ी में लोहे की पाइप ही लदी हुई है। लेकिन पुलिस टीम द्वारा जब डीसीएम के ऊपर से पाइप हटाकर चेक किया गया तो काफी मात्रा में भिन्न-2 ब्रांड्स की अंग्रेजी शराब गत्ते में रखी हुई पायी गयी। जो हिमांचल प्रदेश में निर्मित है और चंडीगढ़ में ही बेंचने के लिये वैध है।

डीसीएम के फर्जी कागजात दिखाए चालक ने

पुलिस के मुताबिक उक्त शराब की तस्करी कर बिहार में बेंचने के लिये ले जाया जा रहा था। अंग्रेजी शराब के परिवहन एवं कब्जे में रखने के सम्बन्ध में कागजात मांगे गये तो दोनों व्यक्तियों द्वारा कोई कागज उपलब्ध नहीं कराया जा सका। वाहन चालक दिनेश कुमार परमार द्वारा पकड़े गये डीसीएम वाहन संख्या UP23-BT-0307 की आरसी उपलब्ध करायी गई तो आरसी में वाहन का चेचिस नम्बर MAT843201R7N19412 अंकित होना पाया गया जबकि पकड़े गये वाहन के चेचिस नम्बर देखा गया तो वाहन का वास्तविक चेचिस नम्बर MAT843207P7J18963 पाया गया।

पुलिस के मुताबिक उक्त वाहन का वास्तविक रजिस्ट्रेशन नम्बर UP32-VN-7115 होना पाया गया जो विनय कुमार मिश्र निवासी 3/238 रत्नाकरखण्ड शारदा नगर मन्दिर लखनऊ के नाम पंजीकृत है।

गाड़ी मालिक ने दिया था चालक रोहतास को चलाने के लिए

पुलिस ने बताया कि इस गाड़ी के मालिक से बात की तो उन्होंने बताया कि मैंने रोहतास पुत्र देवीलाल निवासी तहरा गंगा जनपद संगरूर पंजाब को पंजाब में चलाने हेतु दिया था किन्तु रोहतास ने मुझे गाड़ी का कोई पैसा नहीं दिया और न ही मेरी गाड़ी वापस किया और अपना मोबाइल भी बन्द कर लिया तब मैंने रोहतास उपरोक्त के खिलाफ आईजीआरएस प्रार्थना पत्र दिया था। उसके बाद धारा 173 (4) बीएनएसएस में मा० न्यायालय में रोहतास के खिलाफ वाद भी दाखिल किया था।

तीन गुना रेट पर बिकती शराब

पकड़े गए बिहार राज्य में शराबबंदी का कानून लागू है जहां पर हम लोग शराब की बोतलों से MRP से 03 गुना अधिक रेट में बेंचते हैं जिससे ये शराब बिहार में करीब 01 करोड की बिकती है। शराब को बिहार प्रांत में कहां पर उतारना है, इसके सम्बन्ध में हम लोग माल भेजने वाले व खरीदने वाले से सिग्नल मोबाइल ऐप के माध्यम से वार्ता करते हैं। पकड़े गये व्यक्तियों को उनके जुर्म से अवगत कराते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेजा गया है।

तस्करी का रूट

ट्रक चंडीगढ़ से अंबाला, हाथरस, आगरा एक्सप्रेस-वे होते हुए लखनऊ, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए बिहार (पटना के पास) ले जाने की योजना थी तथा जगह-2 पर होटल या ढाबे पर रुककर सिग्नल मोबाइल ऐप के माध्यम से मालिक के सम्पर्क में रहते हैं।

डिवाइडर से टकराई बाइक 1 गंभीर

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र में चाँदसराय गांव के पास शनिवार को ओवर टेक करने के चक्कर में अनियंत्रित हुई बाइक डिवाइडर से टकरा गई।जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे इलाज के लिए सीएचसी से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बाराबंकी के छेदीकापुरवा का रहने वाला सोनेलाल बाइक से अर्जुनगंज की ओर जा रहे था। तभी चांद सराय गांव के पास ओवर टेक करने के चक्कर में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।और वह गिरकर घायल हो गया यह देख आसपास के लोगो ने उसे इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया।लोगो का आरोप है एम्बुलेंस को फोन करने के बाद भी वह काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंची। जिसके बाद परिजन उसे निजी वाहन से सीएचसी से ट्रामा सेंटर ले गए।

ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय महासम्मेलन को लेकर कांग्रेस का ऐलान

भाजपा सरकार पिछड़ों के अधिकारों को छीनने पर आमादा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी ने अपने राष्ट्रव्यापी भागीदारी न्याय आंदोलन को नई धार देने के लिए आगामी 25 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में "OBC नेतृत्व भागीदारी न्याय महासम्मेलन" आयोजित करने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक आयोजन की अगुवाई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी करेंगे। सम्मेलन में देशभर से कांग्रेस के ओबीसी वर्ग के प्रमुख नेता और कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।इस सिलसिले में शनिवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश चेयरमैन मनोज यादव ने प्रदेश के ओबीसी समाज के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से इस महासम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह केवल सम्मेलन नहीं, बल्कि एक निर्णायक सामाजिक संघर्ष की शुरुआत है जो संविधान, आरक्षण और सामाजिक न्याय को बचाने के लिए लड़ा जाएगा।मनोज यादव ने प्रेसवार्ता में भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इनके शासनकाल में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक असमानता भयावह रूप से बढ़ी है। सार्वजनिक संस्थाओं का तेज़ी से निजीकरण हो रहा है, संविदा और ठेके पर नियुक्तियों का चलन बढ़ाकर आरक्षण को खत्म करने की साजिश की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों को मर्जर कर बहुजन वर्ग के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित करने का कृत्य किया है।उन्होंने कहा कि बिजली विभाग का निजीकरण कर भर्तियों में आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है और कंपनियों को लाभ पहुंचाने के नाम पर गरीबों, किसानों, मजदूरों और कमजोर तबकों पर अनुचित आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश में पिछड़े वर्ग के लोगों की आए दिन हत्याएं हो रही हैं और प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाकर पीड़ितों को न्याय से वंचित कर रही है।मनोज यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां स्पष्ट रूप से संविधान विरोधी हैं और यह सरकार बहुजनों से उनके हक-हकूक छीनने का षड्यंत्र कर रही है। निजीकरण, संविदाकरण, आरक्षण घोटाला, लेटरल एंट्री, एनएफएस योजना, सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति, मध्य प्रदेश में अब तक 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू न करना, जातिगत जनगणना को टालना और वोटर लिस्ट से नाम हटाना जैसी कई साजिशों के जरिए यह सरकार सामाजिक न्याय के खिलाफ खड़ी है।उन्होंने यह भी बताया कि 15-16 जुलाई को बेंगलुरु में कांग्रेस ओबीसी विभाग की नेशनल एडवाइजरी काउंसिल की बैठक हुई, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद सहित देश भर से वरिष्ठ ओबीसी नेता शामिल हुए। इस बैठक में आगामी महासम्मेलन की रणनीति तय की गई और तय किया गया कि 25 जुलाई का कार्यक्रम भाजपा के खिलाफ सामाजिक न्याय की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत बनेगा।मनोज यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज देश के पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष कर रही है। पार्टी का नेतृत्व पूरी गंभीरता से इस मुद्दे को उठाने और संविधान, आरक्षण तथा सामाजिक बराबरी की लड़ाई को निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नहर में मछली पकड़ने आया व्यक्ति डूबा, शव बरामद

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में शुक्रवार को मछली पकड़ने आया व्यक्ति नहर में डूब गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम की मदद से शनिवार को नहर से शव बरामद कर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

पुलिस ने मुताबिक थाना चिनहट ने खुशलौना गांव निवासी टुन्ना (50) सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में नहर में मछली पकड़ रहा था। उसी समय संतुलन विगड़ा और वह नहर में गिर गया। तेज बहाव के कारण वह डूब गया। शनिवार की सुबह से खोजबीन में लगी एसडीआरएफ की टीम ने शव को नहर से बरामद कर पुलिस को सौप दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम को भेज दिया

गोसाईगंज पुलिस ने पकड़ा अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरोह, 30 लाख की अवैध शराब बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 30 लाख रुपये मूल्य की 4691 लीटर (कुल 14,484 बोतलें) अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसे हिमाचल प्रदेश में बनाकर चंडीगढ़ में बिक्री के लिए भेजा गया था और वहां से अवैध रूप से बिहार ले जाया जा रहा था।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दिनेश कुमार परमार (उम्र 45 वर्ष) और जगदीश (उम्र 36 वर्ष), निवासी ग्राम चापा नेर, थाना खांचरोद, जिला उज्जैन (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। दोनों तस्कर ट्रक में बाहर से लोहे की पाइप लादकर उसके नीचे शराब की पेटियों को वेल्डिंग के जरिए छिपाकर परिवहन करते थे। ट्रक पर फर्जी नंबर प्लेट (UP23BT0307) लगी थी, जबकि असली नंबर UP32VN7115 था, जो लखनऊ निवासी विनय मिश्रा के नाम पंजीकृत है।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कबीरपुर क्षेत्र में एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है जिसमें पंजाब से शराब लाकर बिहार ले जाई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को हिरासत में लिया और जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई। जांच में यह भी सामने आया कि ट्रक मालिक विनय मिश्रा ने अपना वाहन एक व्यक्ति रोहतास को पंजाब भेजा था, जो वाहन वापस नहीं कर रहा था और उसका मोबाइल फोन भी बंद है। रोहतास की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं, जो पूरे नेटवर्क का सरगना माना जा रहा है।

तस्करी के लिए अभियुक्त सिग्नल ऐप का उपयोग करते थे, जिससे उनकी गतिविधियों को ट्रेस करना मुश्किल हो। वे फर्जी आरसी बनवाकर वाहन की पहचान भी छुपाते थे। शराब को बिहार में तीन गुना अधिक कीमत पर बेचने की योजना थी। ट्रक में इम्पीरियल ब्लू, मैकडॉवेल्स और वुड्समैन ब्रांड की शराब की बोतलें बरामद हुई हैं।गोसाईगंज थाने में अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा संख्या 353/25 के तहत भारतीय दंड संहिता व आबकारी अधिनियम की संगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।इस कार्रवाई के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा टीम को ₹25,000 का पुरस्कार भी घोषित किया गया है। पुलिस की इस सतर्कता से एक बड़े संगठित तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है, जिससे बिहार में अवैध शराब की आपूर्ति पर रोक लग सकेगी।

किसान पथ पर ट्रक और डंपर की टक्कर, सफाई कर रही महिला की मौके पर दर्दनाक मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। । पीजीआई थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में सफाई कर रही महिला की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार और लापरवाह ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डंपर में जा भिड़ा, जिससे पास ही सफाई कार्य में लगी महिला उसकी चपेट में आ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 जुलाई की सुबह करीब 9:40 बजे थाना पीजीआई पर सूचना मिली कि ग्राम मोहद्दीनपुर के पास किसान पथ पर ट्रक और डंपर की टक्कर हुई है, जिसमें एक महिला की मृत्यु हो गई है। सूचना मिलते ही थाना पीजीआई की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की।मौके पर मौजूद लोगों और जांच के अनुसार, ट्रक संख्या यूपी 93 बीटी 5096 को चालक राजेश पुत्र राधेश्याम, निवासी रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात, लापरवाहीपूर्वक और

अत्यधिक तेज गति से चला रहा था। ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डंपर में टकरा गया। इसी दौरान सड़क किनारे सफाई कार्य में लगी महिला रजनी (उम्र लगभग 40 वर्ष), पत्नी बनवारी, निवासी ग्राम शिवधारा, थाना मोहनलालगंज, ट्रक की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दुर्घटना में घायल ट्रक चालक राजेश को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर और एक अन्य घायल महिला संगीता पत्नी बालकराम, निवासी पीजीआई क्षेत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहनलालगंज में भर्ती कराया गया है।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। वर्तमान में मौके पर कानून-व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। पीजीआई थाना पुलिस द्वारा मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के चलते सड़क पर काम कर रहे लोगों की जान पर खतरे को उजागर करता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुःखद घटनाएं रोकी जा सकें।

पीएनबी ने "कोड अगेंस्ट मैलवेयर" हैकाथॉन के विजेताओं को किया सम्मानित, आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर साइबर सुरक्षा नवाचार की ओर बड़ा कदम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने शुक्रवार को अपने मुख्यालय में "कोड अगेंस्ट मैलवेयर" हैकाथॉन के पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में साइबर सुरक्षा नवाचार को प्रोत्साहित करना और युवा तकनीकी प्रतिभाओं को वित्तीय सुरक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रेरित करना रहा।इस हैकाथॉन का आयोजन पीएनबी ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) कानपुर के सहयोग से किया था, जिसे भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) का मार्गदर्शन प्राप्त था। इस अवसर पर डीएफएस के सचिव एम. नागराजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मनिंद्र अग्रवाल, आईबीए के मुख्य कार्यकारी

अतुल कुमार गोयल और पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्र सहित कई गणमान्य अतिथियों, शिक्षाविदों, जूरी सदस्यों और छात्र प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।हैकाथॉन की शुरुआत दिसंबर 2024 में की गई थी, जिसका उद्देश्य उभरते साइबर खतरों के खिलाफ रचनात्मक समाधान खोजना था। प्रतियोगिता में देशभर के आईआईटी और अन्य प्रमुख संस्थानों के छात्रों को आमंत्रित किया गया, जो विहैविरियल एनालिसिस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूरिस्टिक तकनीकों की मदद से रैंसमवेयर का पता लगाने हेतु एंडपॉइंट सुरक्षा समाधान विकसित करें। इस प्रतियोगिता को जबरदस्त प्रतिसाद मिला। कुल 90 टीमों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 15 टीमें विकास चरण तक पहुंचीं। अंततः सात वर्किंग प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए गए, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञ जूरी द्वारा किया गया।समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एम. नागराजू ने डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौती पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं भारत को डिजिटल खतरों के विरुद्ध अधिक लचीला और सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने पीएनबी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत सरकार के डिजिटली सशक्त भारत के लक्ष्य के अनुरूप है।बैंक के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कहा कि पीएनबी नवाचार, सुरक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएनबी छात्रों और शिक्षाविदों को वित्तीय क्षेत्र की तकनीकी चुनौतियों से जोड़ने हेतु लगातार प्रयासरत है।हैकाथॉन के विजेता छात्रों को इस वर्ष मुंबई में आयोजित होने वाले ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल (GFF) 2025 में अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पहल के विजेताओं के साथ अपने समाधानों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।उल्लेखनीय है कि पीएनबी को हाल के वर्षों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें "साइबर सिक्योरिटी टीम ऑफ द ईयर", "इंसिडेंट रिस्पांस मैच्योरिटी" और "डिजिटल पेमेंट्स अवार्ड (FY 2024-25)" जैसे सम्मान शामिल हैं।इस अवसर पर पीएनबी ने यह भी दोहराया कि वह आने वाले वर्षों में साइबर सुरक्षा, डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में नए नवाचारों के माध्यम से देश की तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करता रहेगा।

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच RIC

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन (RIC) त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है।

हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों (G7, NATO, EU) के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक ₹मल्टी-पोलर वर्ल्ड₹ यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा।

इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, BRICS, SCO जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा। वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मज़बूत कर सकता है। इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे। तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है। हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ''वास्तव में रुचि'' रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुईं थीं। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग यदि पुनर्जीवित होता है तो इससे विश्व व्यवस्था में शक्ति संतुलन बदल सकता है। साथ ही बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा को मजबूती मिल सकती है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब तीनों देश अपने पारस्परिक मतभेदों को कुशलतापूर्वक संभाल सकें।

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देंखे तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नज़र आते हैं।

दीपक कुमार त्यागी

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संख्या में इस वर्ष भारी इज़ाफ़ा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है।

वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फुलप्रूफ, चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है।

लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ़ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही है, वहीं साथ ही चंद हुड़दंगियों के द्वारा बवाल भी किया जाने लगा है। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ मार्ग के अधिकांश रास्तों को वन-वे तक करना पड़ गया है। हांलांकि इससे आम लोगों को काफ़ी असुविधा भी हो रही है। लेकिन पुलिस-प्रशासन क्या करें देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए यह एक बेहद आवश्यक कदम है। इसलिए ही गंगा से लेकर मंदिर व कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब चप्पे-चप्पे पर होमगार्ड, ट्रेफिक पुलिस, पुलिस, पीएसी, आरएएफ, एटीएस आदि का सख्त पहरा नज़र आने लगा है। घाटों पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की टीम दल-बल के साथ तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह अग्निशमन विभाग के जांबाज भी तैनात हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी स्वयं पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं और एक एक व्यवस्था को खुद परखने का कार्य कर रहे हैं।

क्योंकि इस बार शुरूआती दौर से ही कांवड़ यात्रा में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुए विवादों व तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन को सोचने पर मज़बूर कर दिया है। क्योंकि इस बार विवाद के अधिकांश मामलों को बिना वजह की ही बात के बतंगड़ बनाकर के तूल देने के प्रयास किए गए, जिन्हें पुलिस-प्रशासन ने तत्काल ही समझदारी से सूझबूझ दिखाते हुए शांत करवाने का कार्य करते हुए, हुड़दंगियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही करते हुए माहौल को सामान्य करने का कार्य बखूबी किया है। विवादों की इन चंद घटनाओं के चलते ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ पुलिस-प्रशासन का पूरा सिस्टम अचानक से हाई अलर्ट मोड पर चला गया है, सरकार व सिस्टम कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही व कोई भी चूक बिल्कुल भी नहीं चाहता है। उदाहरणार्थ कांवड़ियों की सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सख्ती का आलम यह हो गया है कि गाजियाबाद तक में भी 14 जुलाई से ही रास्ते वन-वे या बंद कर दिए है। हालांकि रास्ते वन-वे होने से क्षेत्र के आम लोगों को जबरदस्त असुविधा हो रही है। लेकिन अलग कांवड़ यात्रा मार्ग ना होने से पुलिस-प्रशासन के पास अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को देखें तो इस बार उत्तराखंड में कांवड़ियों के जल भरने के सभी स्थान गोमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि से लेकर के उत्तर प्रदेश तक में भी पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के सुरक्षाकर्मियों का जाल बिछा दिया गया है, कंट्रोल रूम में बैठकर सुरक्षा विशेषज्ञ चप्पे-चप्पे पर निगरानी रख रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देंखे तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नज़र आते हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने जनपद के करीब 80 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने चार स्थाई कंट्रोल रूम, एक मुख्य कंट्रोल रूम, दो सब कंट्रोल रूम और आठ स्टैटिक कंट्रोल रूम बनाए हैं। कांवड़ मार्ग को 1657 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। 71 बैरियर लगाए गए हैं। 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली बनाई गई है। 1560 पुलिस स्वयंसेवक व 10587 शांति समिति के सदस्य तैनात हैं। पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को कांवड़ मार्ग में और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगाया गया है। घाटों पर एनडीआरएफ की टीम तैनात की गयी हैं। दमकल की 12 गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगें शिविरों की अनुमति देते समय ही आग से बचाव हेतु अग्निरोधी यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया है। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने का निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ मार्ग के निकट कोई नया बखेड़ा खड़ा ना हो इसके लिए मीट, मछली और अंडा आदि की दुकानों को बंद करवा दिया गया है। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना घट जाये इसलिए कांवड़ की ऊंचाई 10 फुट एवं चौड़ाई 12 फुट तक रखने के निर्देश दिए गए है। डाक कांवड़ में मानकों के अनुसार म्यूजिक सिस्टम पर 75 डेसीबेल तक का ही शोर मान्य है।

अजब-गजब

पिद्दी-सा ये कीड़ा घातक हथियारों से है लैस, वीडियो देख दंग रह जाएंगे!

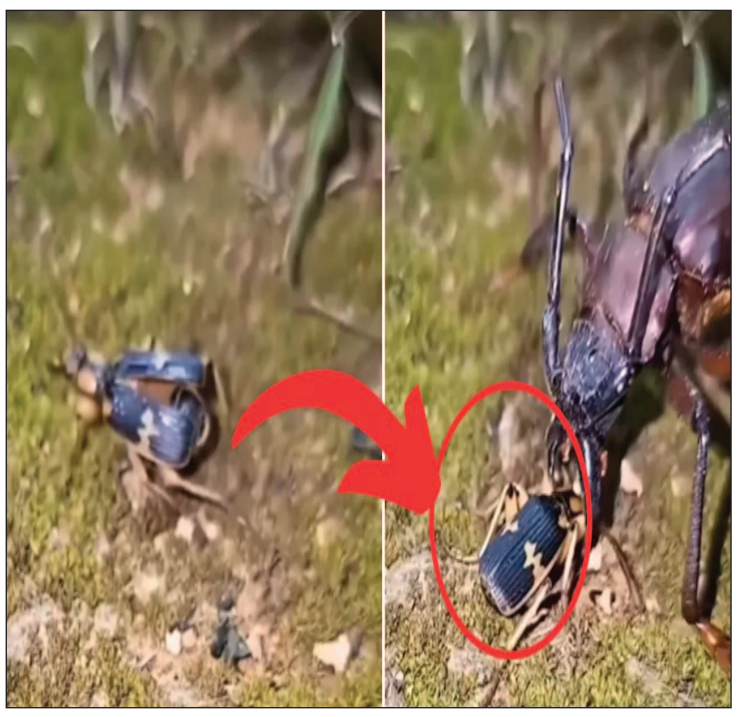

कीड़ों की 'दुनिया' में बॉम्बार्डियर बीटल अपने अनोखे और बेहद प्रभावी रक्षा तंत्र के लिए जाना जाता है। पिद्दी-सा दिखने वाला यह कीड़ा खतरे को भांपते ही अपने दुश्मनों पर एक खौलता हुआ रासायनिक मिश्रण छोड़ता है, जो किसी भी शिकारी को धूल चटाने के लिए काफी है। आइए जानते हैं कैसे काम करता है कीड़े का यह अचूक हथियार?

बॉम्बार्डियर बीटल के शरीर में हाइड्रोजन पेरोक्साइड और हाइड्रोक्विनोन नामक दो रसायन अलग-अलग चैंबरों में जमा होते हैं। जब बीटल को किसी से खतरा महसूस होता है, तो वह इन दोनों रसायनों को एक साथ मिलाता है और अपने पेट के ऊपरी हिस्से से दुश्मन पर स्प्रे कर देता है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि यह रासायनिक मिश्रण कितना घातक होता है। जब ये दोनों रसायन आपस में मिलते हैं, तो एक अत्यंत गर्म एसिड बनता है, जिसका तापमान लगभग 100 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यह बीटल के दुश्मन के संपर्क में आते ही उसे गंभीर रूप से जला देता है।

जब बॉम्बार्डियर बीटल इस एसिड से हमला करता है, तो एक तेज़ पॉपिंग ध्वनि उत्पन्न होती है और एक हानिकारक भाप जैसा स्प्रे निकलता है। यह स्प्रे इतना शक्तिशाली होता है कि शिकारियों को दहशत में डालने या उन्हें घायल करने के लिए काफी है। दिलचस्प बात यह है कि बीटल इस स्प्रे को अलग-अलग दिशाओं में सटीकता से छोड़ सकता है, जिससे वह आसानी से शिकार होने से बच जाता है।

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर detailedexplanation नामक पेज से शेयर किया गया है, जिसे अब तक 5 लाख से अधिक लोगों ने लाइक किया है। अधिकांश नेटिजन्स बीटल के डिफेंस मैकेनिज्म को देखकर हैरत में पड़ गए हैं।

ब्लॉग

निर्वाचन आयोग का रवैया और चुनावों की स्थिति

डॉ.मलय मिश्रा

एडीआर के संस्थापक जगदीप छोकर ने अपने शोधपत्र, 'साइमलटेनियस इलेक्शन्सः स्ट्राकिंग एट द रूट्स ऑफ पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी' में तर्क दिया है कि केंद्र और राज्य सरकारों के चुनावों का संयोजन त्रुटिपूर्ण है क्योंकि इसके लिए संविधान में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी तथा इससे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्ति संतुलन बिगड़ जाएगा। भुवनेश्वर में 11 जुलाई को कांग्रेस द्वारा आयोजित 'संविधान बचाओ रैली' में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर 'चोरी' करने का आरोप लगाया। राहुल इस साल नंवबर में बिहार में होने वाले चुनाव के सिलसिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न- एसआईआर) की आड़ में बिहार में बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने की कवायद का जिक्र कर रहे थे। एसआईआर का काम 2005 में ही पूरा हो चुका था।

इसके एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने एसआईआर की संवैधानिकता को बरकरार रखते हुए सुझाव दिया कि चुनाव आयोग तीन और दस्तावेजों- आधार कार्ड, मतदाता कार्ड और राशन कार्ड को पहले से ही सूचीबद्ध 11 दस्तावेजों के साथ जोड़ सकता है। चुनाव आयोग के अनुसार पंजीकरण अभ्यास 'संपूर्ण' नहीं था तथा आधार को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता है लेकिन पहचान वाले दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। संयोग से, आधार का उपयोग सभी सहायक दस्तावेजों को बनाने के लिए किया जाता है इसलिए चुनाव आयोग द्वारा इसका बहिष्कार करना अतार्किक लगता है। चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 ने मतदाता की पहचान स्थापित करने के लिये आधार को एक वैध दस्तावेज के रूप में शामिल करने के लिये जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 में संशोधन किया था। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की वेबसाइट के अनुसार बिहार में आधार कवरेज 94 प्रतिशत है इसलिए चुनाव आयोग द्वारा आधार को स्वीकार्य दस्तावेज के रूप में शामिल न करने का कोई कारण नहीं है।

चुनाव आयोग की ऐसी गतिविधि से मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की उसकी नीयत में खोट नजर आती है जिसका उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं को शामिल करने की तुलना में उनका बहिष्कार करना अधिक है। यह ध्यान देने वाली बात है कि चुनाव आयोग ने 2003 में बिहार में इसी तरह की कवायद की थी और तब दो साल में संशोधित मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया गया था। मतदाता सूचियों को एक महीने की अवधि के भीतर फिर से संशोधित करना, अभूतपूर्व और अव्यावहारिक है। अनुमान है कि आयोग द्वारा 'अचानक' लागू किए गए इस उपाय का संभावित कारण यह है कि सरकार मतदाताओं के एक निश्चित वर्ग को बाहर रखने का प्रयास करती रही है। इनमें ज्यादातर अल्पसंख्यक समूह और हाशिए पर रह रहे नागरिक हैं जो इतने कम समय में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकते। इन आवश्यक दस्तावेजों में जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मैट्रिक प्रमाणपत्र, नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर, परिवार रजिस्टर, भूमि या घर आवंटन प्रमाणपत्र, पेंशन भुगतान आदेश अथवा 1 जुलाई, 1987 से पहले सरकार या स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र शामिल हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि राजद के नेतृत्व में संयुक्त विपक्ष और कांग्रेस, वाम दलों और एआईएमआईएम (मुसलमानों का प्रतिनिधित्व) ने चुनाव आयोग के छल-कपट के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए पिछले हफ्ते चक्का जाम का आयोजन किया था।

चुनाव आयोग का कहना है कि एक अभ्यास के रूप में एसआईआर को यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया है कि किसी भी पात्र मतदाता छोड़ा नहीं जाएगा जबकि कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में दर्ज नहीं किया जाएगा। हालांकि जैसा कि पर्यवेक्षक बताते हैं, यह एसआईआर का सारांश नहीं है (पीपुल्स रिप्रेजेंटेशन एक्ट, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को यह निष्पादन करने के लिए बाध्य करती है) जो गलत है, लेकिन अपनाया गया तरीका और प्रक्रियाएं बड़े पैमाने पर समाज के अनपढ़, गरीब तथा अशिक्षित वर्गों व प्रवासी श्रमिकों का बड़ा हिस्सा, जिनके पास पंजीकरण के लिए ज्यादातर स्थायी पता नहीं है, उनके मन में संदेह के बादल छोड़ती है। यह चुनाव आयोग के इस दावे के विपरीत है कि उसने इस निर्णय पर पहुंचने में सभी विपक्षी दलों सहित भाजपा के साथ बड़े पैमाने पर विचार विमर्श किया है। 13 जुलाई को एक राष्ट्रीय समाचारपत्र के एक स्तंभकार ने कहा, 'चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की आवश्यकताएं न केवल उसकी अक्षमता को दर्शाती हैं बल्कि इससे कहीं अधिक परेशान करने वाली चीज है वह है गरीबों की अवमानना'। ग्रामीण बिहार में जहां लगभग 65.58 प्रतिशत लोग बेघर हैं वहां चुनाव आयोग नागरिकों से भूमि आवंटन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की उम्मीद करता है। जहां निरक्षरता व्याप्त है वहां वे स्कूल प्रमाणपत्र की मांग करते हैं। जहां गरीबी पलायन को मजबूर करती है उन लोगों से आयोग को 'स्थायी निवास प्रमाण' की आवश्यकता होती है'। और संभावित रूप से लाखों मतदाताओं के लिए इन अस्पष्ट दस्तावेजों को इक_ा करने के लिए दी गई समय सीमा एक महीने से भी कम है'। यहां तक कि अगर किसी चमत्कार से नागरिक नौकरशाही में खजाने की खोज का प्रबंधन करते हैं तो क्या चुनाव आयोग के पास उन सभी को सत्यापित करने के लिए जनशक्ति है?' चुनाव आयोग ने जवाब में कहा है कि उसने इस विशाल अभ्यास के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1 लाख से अधिक ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, 4 लाख स्वयंसेवकों और 1.5 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंटों को लगाया है और 80 फीसदी मतदाता पंजीकरण फॉर्म पहले ही एकत्र किए जा चुके हैं।

11 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत के लिए संक्षिप्त विवरण इस मुद्दे पर केंद्रित था कि इस प्रक्रिया को सम्पन्न करने के लिए चुनाव आयोग की शक्ति (जो आरपी अधिनियम की धारा 21 द्वारा प्रदत्त है), जिस तरह से संशोधन अभ्यास आयोजित किया जाता है और उसका समय क्या है। बाद के दोनों आधारों में से दूसरे आधार के बारे में चुनाव आयोग के पास समझाने के लिए बहुत कुछ है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 21 जुलाई तक जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए कहा है। अंतिम सुनवाई 28 जुलाई को तय की गई है जो मतदाता सूची को अंतिम रूप देने से कुछ दिन पहले की तारीख है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता में गिरावट के मद्देनजर कार्यकर्ताओं और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर कई जनहित याचिकाओं के साथ मतदाता (ईवीएम-वीवीपीएटी) में हेर-फेर एवं हाल में हुए राज्य चुनावों में डाले गए वोटों और प्राप्त वोटों के बीच महत्वपूर्ण विसंगति के संबंध में चुनाव आयोग ने जिस लचर तरीके से व्यवहार किया है, उसने और कई चिंताओं को जन्म दिया है। महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनावों में वोटिंग में धांधली के बारे में राहुल गांधी द्वारा लगाए आरोप हकीकत में नागरिकों के गुस्से व चिंता को संवैधानिक मानदंडों जैसे अनुच्छेद 326 के तहत सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के खुल्लमखुला उल्लंघन को व्यक्त करते हैं। इसके अलावा बिहार में एनआरसी का भूत पिछले दरवाजे से प्रवेश कर सकता है जिससे यह एक वास्तविक मताधिकार प्रक्रिया के बजाय मतदाता को मतदान से वंचित रखने के लिए एक तंत्र बन सकता है। एनआरसी को 11 दस्तावेजों में से एक के रूप में शामिल किया गया है। असम में इसका उपयोग 'विदेशियों' को वास्तविक नागरिकों से अलग करने के लिए किया गया है। एसआईआर को भविष्य में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु से शुरू करके सभी राज्यों में लागू करने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह की अशुभ घोषणा ने चुनाव प्रक्रियाओं के 'मानकीकरण' संबंधी सरकार के इरादे के बारे में संदेह बढ़ा दिया है।

इसे 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के बड़े मुद्दे से जोड़ते हुए ठोस आकार दिया गया है। भाजपा के 2014 के चुनाव घोषणापत्र में पहली बार 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का विचार पेश किया गया था और यह पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पीएम की घोषणा में था जब उन्होंने कहा था कि 'मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि समय की मांग है कि वे 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के संकल्प को प्राप्त करने के लिए एक साथ आएं।' यह स्थिति गंभीर आत्मनिरीक्षण की मांग करती है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के गुण और दोषों के अध्ययन के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 8 सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया गया था। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए संविधान के कई प्रावधानों (अनुच्छेद 83, 85,172,174, 356) में संशोधन की आवश्यकता होगी। समिति ने अब तक कई बैठकें की हैं जहां पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की स्वीकार्यता के बारे में अपने विचार रखे हैं। एडीआर के संस्थापक जगदीप छोकर ने अपने शोधपत्र, 'साइमलटेनियस इलेक्शन्सः स्ट्राकिंग एट द रूट्स ऑफ पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी' में तर्क दिया है कि केंद्र और राज्य सरकारों के चुनावों का संयोजन त्रुटिपूर्ण है क्योंकि इसके लिए संविधान में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी तथा इससे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्ति संतुलन बिगड़ जाएगा। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सरकार एक बार फिर बड़ा दांव खेल रही है। बिहार में एसआईआर की कवायद को फिर से शुरू करना, एक-दलीय शासन लाने के लिए एक जानबूझ कर सोची-समझी योजना है जो संविधान की नैतिकता के विपरीत है तथा देश भर में राजनीतिक संस्कृतियों की महत्वपूर्ण विविधताओं की अनदेखी करता है। लंबी अवधि में यह संवैधानिक लोकतंत्र की निरंतरता के लिए अच्छा नहीं है।

कांवड़ियों पर फेंके ईंट-पत्थर, तलवार से हमला प्रयागराज में डीजे को लेकर बवाल, 35 पर केस

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में शुक्रवार को जलाभिषेक के लिए जल लेने जा रहे कांवड़ियों और नमाजियों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद कांवड़ियों पर जमकर ईंट पत्थर और तलवार तक चली है। इस घटना को लेकर तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जबकि 15 नामजद सहित 35 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। डीजे के साउंड को लेकर यह विवाद हुआ।

प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय ख्वाजा गांव में डीजे संग जुलूस निकाल रहे कांवड़ियों का दूसरे समुदाय के लोगों से विवाद हो गया। कांवड़ियों का आरोप है कि उन पर ईंट-पत्थर और तलवार से हमला किया गया, जिसमें कई कांवड़िए घायल हुए हैं। आरोप यह भी है महिलाओं से अभद्रता की गई उनको भी निशाना बनाया गया।

डीजे की आवाज कम करने को कहा गया

चश्मदीदों का कहना है कि दूसरे समुदाय के धर्मस्थल के पास पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने कांवड़ियों को डीजे की आवाज कम करने को कहा। बस इसी बात पर विवाद हो गया। आरोप है कि दूसरे समुदाय के लोगों ने कांवड़ियों पर ईंट-पत्थर चलाना शुरू कर दिया। घटनास्थल पर लाठी-डंडों, तलवार आदि से हमला कर दिया गया और जातिसूचक गालियां दी गईं।

आक्रोशित कांवड़ियों ने की नारेबाजी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। फिर पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। घटना के बाद आक्रोशित कांवड़ियों ने नारेबाजी की। इसके बाद हिंदू संगठन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। हिंदू संगठनों ने कांवड़ियों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। वहीं इस पूरी घटना को लेकर डीसीपी गंगा नगर कुलदीप गुणावत का कहना है कि मौके पर दोनों पक्षों में नोकझोंक हुई थी।

कुलदीप गुणावत ने कहा कि मारपीट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

फ्लाईओवर के नीचे सो रहे लोगों को कार ने रौंदा, महिला की मौत ; गुस्साए लोगों ने गाड़ी में लगाई आग

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देर रात एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। प्रयागराज में हाईकोर्ट फ्लाईओवर के नीचे एक वैगन आर कार ने सड़क किनारे सो रहे लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, तीन को मामूली चोट आई है। गंभीर रूप से घायल हुईं दोनों महिलाओं को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना इलाहाबाद हाई कोर्ट के आंबेडकर चौराहे के पास फ्लाई ओवर के नीचे की है। हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और गाड़ी में तोड़फोड़ की। साथ ही कार को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को काबू में कर लोगों को शांत कराया।

65 वर्षीय महिला की मौत

हादसे में मांडा के किनौरा की रहने वाली 65 वर्षीय चमेली की मौत हो गई है। जबकि उसी गांव की श्रीदेवी, गुलाब देवी गंभीर रूप से घायल है। एसीपी सिविल लाइंस ने बताया कि कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। कार चालक की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। मामले में बताया जा रहा कि, कुछ गरीब तबके के लोग खाना खाकर फ्लाईओवर के नीचे लेटे हुए थे, इसी बीच एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होते हुए कई लोगों को रौंद डाला। इस दौरान हादसे मे एक महिला की मौत हो गई, जबकि में दो महिलाएं गंभीर रुप से घायल हो गई और तीन को मामूली चोट आई है। मौके पर उन्हें आस्पताल में भर्ती कराया गया।

चश्मदीदों ने क्या कहा?

लोगों ने बताया कि, कार की रफ्तार उतना ज्यादा थी कि ड्राइवर को ब्रेक लगाने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना के बाद जमकर हंगामा किया और कार में तोड़फोड कर उसे आग के हवाले कर दिया गया। मौके पहुंची पुलिस ने हालात को काबू कर क्षतिग्रस्त कार को वहां से हटा दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस इलाके में रात के समय तेज रफ्तार वाहनों का आना-जाना रोज की बात हो गई है, प्रशासन की ओर से इसके लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया है।

जिलाधिकारी ने किया निर्माणाधीन मॉ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने शनिवार को निर्माणाधीन मॉ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर व सम्बन्धित ठेकेदार को शो काज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षिणक भवन व प्रशासनिक भवन के कार्यो में तेजी लाते हुए गुणवत्तापूर्ण भवन का निर्माण कराया जाए। निर्माणाधीन कुलपति आवास के ड्राइंग में परिवर्तन होने के कारण प्रगति धीमी है जिलाधिकारी ने कहा कि शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने मशीनरी व मैन पावर की संख्या वृद्धि करते हुए कार्य समय सीमा अन्तर्गत पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, उप जिलाधिकारी मड़हान अविनाश कुमार सहित कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहें।

शारदा यूनिवर्सिटी सुसाइड केस : प्रोफेसरों का चुभ गया वो ताना, बहन की मौत पर छलक उठा भाई का दर्द, मां बोलीं– 'जब तक न्याय नहीं...'

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से आत्महत्या का एक मामला सामने आया है। यहां शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस सेकंड ईयर की एक छात्रा ने शुक्रवार देर शाम खुदकुशी कर ली। मृतक छात्रा की पहचान ज्योति के रूप में हुई है। वो हरियाणा के गुरुग्राम की निवासी थी। मृतका यूनिवर्सिटी के मंडेला गर्ल्स हॉस्टल में 12वें फ्लोर पर रहती थी। छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपना जीवन समाप्त कर लिया।

ज्योति के आत्महत्या करने के बाद यूनिवर्सिटी में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं मृतका की मां भी बैठी है। मृतका की मां सुनिता ने कहा, 'मैं कल रात 9 बजे से यहां बैठी हूं। मुझे मेरी बेटी के लिए न्याय चाहिए। जब तक न्याय नहीं मिलता मैं यहां नहीं हिलूंगी। चाहे मुझे जिंदा जला दो। यहां की पुलिस ने मुझ पर, बेटी के पिता, भाई और मामी पर

लाठी चलाई है। पुलिस का लाठीचार्ज करना गलत है।'

पीएम-सीएम को बुलाओ- मृतका की मां

मृतका की मां ने कहा कि बीडीएस के सौ के सौ बच्चे डरे हुए हैं। सब कह रहे हैं हमें घर जाना है। पूरी यूनिवर्सिटी को सील करो। सीएम योगी और पीएम मोदी को बुलाओ। इस यूनिवर्सिटी में जब कोई कार्यक्रम होता है, तो पीएम और सीएम दोनों आ जाते हैं। वहीं मृतका के भाई अक्षय ने कहा कि एक हफ्ते पहले, एक प्रोफेसर ने दावा किया था कि मेरी बहन ने अपने असाइनमेंट और किताबों पर जाली हस्ताक्षर किए थे।

मृतका के भाई ने क्या कहा?

मृतका के भाई ने बताया कि इसके कारण मेरे पिता सोमवार को यहां आए थे। उन्होंने प्रोफेसर और एचओडी से बात की। मेरे पिता ने कल सुबह मेरी बहन से बात की। इसके बाद, हमारी उससे बात नहीं हुई। बाद में, उसके बैचमेट्स से हमें पता चला कि शिक्षकों ने उसे ताना मारा कि वह जाली हस्ताक्षर करने में एस्कपर्ट है। उन्होंने मेरी बहन को फेल करने के साथ-साथ उसे प्रैक्टिकल और परीक्षा देने से रोकने की भी धमकी दी।

छात्रा के कमरे से सुसाइड नोट भी मिला

मृतका के भाई ने बताया कि उस पर दबाव डाला गया, इसलिए उसने अंत में ये खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस ने मुझ पर, मेरे परिवार और रिश्तेदारों पर लाठीचार्ज किया। मैं चाहता हूं कि मेरी बहन को न्याय मिले। मृतक छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें ज्योति ने दो प्रोफेसरों और विश्वविद्यालय प्रबंधन पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

छात्रा के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने यूनिवर्सिटी स्टॉफ के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया है, जिसमें नामजद दो आरोपियों को हिरासत में भी लिया गया है।

तहसील गोला के सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 49 में 5 पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण

आर्यावर्त क्रांति

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। तहसील गोला के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। विभिन्न विभागों से संबंधित ए 49 शिकायत में पांच का मौके पर निस्तारण किया गया।

आयोजित समाधान दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग की थी 30 शिकायत, पुलिस विभाग की 10, संयुक्त जांच हेतु 5, ग्राम विकास विभाग 2, विद्युत विभाग 1, खाद्य एवं रसद विभाग एक शिकायत आई जिसमें विभिन्न विभागों की आई 49 शिकायत में राजस्व एवं आपदा विभाग की आई 30 शिकायतों में पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा 44 शिकायत तो कचोरी का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य रूप से शिवम कुमार क्षेत्राधिकारी पुलिस गोला भीमचंद तहसीलदार सहित तहसील ,विकासखंड ,थाना स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ने किया सुसाइड, हॉस्टल में फंदे पर लटकी मिली लाश, सुसाइड नोट में दो प्रोफेसरों पर लगाए आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। त्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस सेकंड ईयर की एक छात्रा ने शुक्रवार देर शाम को आत्महत्या कर ली। मृतका छात्रा का नाम ज्योति बताया जा रहा है। छात्रा यूनिवर्सिटी के मंडेला गर्ल्स हॉस्टल में 12वीं मंज़िल पर रहती थी। उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। ज्योति हरियाणा के गुरुग्राम की रहने वाली थी।

मृतक छात्रा ज्योति के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इस सुसाइड नोट में दो प्रोफेसरों और विश्वविद्यालय प्रबंधन पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट के अनुसार, उसे लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। वहीं, घटना के बाद पुलिस ने इस मामले में यूनिवर्सिटी के स्टॉफ के दो सदस्यों को हिरासत मे ले लिया लिया है और पूछताछ कर रही है। घटना की जानकारी मिलने पर हॉस्टल में रह रहे स्टूडेंट्स ने प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने भी पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं देर रात तक मामले ने तूल पकड़े रखा मृतका के साथी छात्रों ने हॉस्टल परिसर में हंगामा किया। छात्रों का कहना है कि ज्योति पर फेक सिग्नेचर करने का आरोप लगाया गया था, जिससे वह काफी तनाव में थी। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच हल्की नोक झोंक भी देखने को मिली, हालांकि बाद में पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को किसी तरह समझाकर बुझाकर मामले को शांत कराया।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रान्तर्गत निजी यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल के रूम में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा थी। थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारी व फॉरेंसिक टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है। छात्रा के परिजनों द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर यूनिवर्सिटी के स्टॉफ के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें नामजद 2 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। परिजनों व छात्रों में शारदा यूनिवर्सिटी प्रशासन के विरूद्ध आक्रोश था, जिसे पुलिस अधिकारियों की ओर से वार्ता कर शांत कराया गया है।

साइबर थाना द्वारा 49500 रूपये आवेदक के खाते में कराए गए वापस

बाराबंकी। साइबर सेल जनपद बाराबंकी को ऑनलाइन 1930 के माध्यम से प्राप्त सूचना जिसमें आवेदक मजाहिर हुसैन पुत्र आबिद हुसैन निवासी आवास विकास कालोनी थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा सस्ती चीजों का प्रलोभन देने के नाम पर 49500 रूपये का फ्रॉड किए जाने के सम्बन्ध में उल्लेख किया गया। संदर्भित प्रकरण में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव के कुशल पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम सेल थाना द्वारा तत्काल बैंक मर्चेंट से पत्राचार कर खाता होल्ड कराकर सम्पूर्ण धनराशि 49500 रूपये आवेदक के खाते में वापस कराया गया।

'सॉरी, मैं अब और नहीं जी सकती, उन्होंने मुझे...', शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा का सुसाइड नोट पढ़ आ जाएंगे आंसू

आर्यावर्त क्रांति

गुरुग्राम। सॉरी, मैं अब और नहीं जी सकती। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, मुझे अपमानित किया। मैं उनकी वजह से लंबे समय से डिप्रेशन में हूं... ये अंतिम शब्द थे शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ज्योति के। उसने अपना दर्द सुसाइड नोट में लिखा। फिर हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर उसने जान दे दी। इस घटना से पूरा देश सन्न है। मामला उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा का है।

गुरुग्राम के अशोक विहार की रहने वाली ज्योति ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा थी। उसने शुक्रवार को मंडेला गर्ल्स हॉस्टल में कमरे के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। साथ ही एक सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमें ज्योति ने दो प्रोफेसरों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। अब इस केस में उन दोनों प्रोफेसरों को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुसाइड नोट में ज्योति ने लिखा है- अगर मेरी मौत हुई तो इसके लिए PCP और डेंटल मेडिकल के टीचर जिम्मेदार होंगे। महेंद्र सर और शैरी मैम मेरी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। आगे ज्योति ने लिखा- मैं चाहती हूं कि वे जेल जाएं। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, मुझे अपमानित किया। मैं उनकी वजह से लंबे समय से डिप्रेशन में हूं। मैं चाहती हूं कि उन्हें भी यही सब सहना पड़े। सॉरी, मैं अब और नहीं जी सकती। वहीं, घटना के बाद परिजनों और छात्रों ने जमकर बवाल काटा। छात्रों ने प्रदर्शन कर न्याय की मांग की। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच जमकर नोकझोंक भी हुई।

कमरे में अकेले थी ज्योति

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम ज्योति कमरे में अकेली थी। साथी छात्राएं बाहर गई थीं। शाम करीब 7 बजे एक छात्रा आई। उसने देखा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। छात्रा ने पुलिस को बताया कि उसके दो बार धक्का देने से दरवाजा खुल गया। देखा तो ज्योति फंदे पर लटकी थी, फिर उसने वार्डन और अन्य स्टूडेंट्स को इसकी सूचना दी। छात्रों ने बताया- ज्योति पर एक फर्जी साइन करने का आरोप लगाया गया था, जिससे वह काफी परेशान चल रही थी। गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को लगातार तीन दिन उसे PCP (प्री क्लिनिकल प्रोस्थोडॉट) डिपार्टमेंट से भगा दिया गया। फाइल HOD को दी गई थी।

'इतना टॉर्चर कैसे झेले कोई'

छात्रों के HOD सर ने कहा था- अपने पैरेंट्स को बुलाओ, तुमने फाइल पर खुद ही साइन कर दिए। सोमवार को उसके माता-पिता आए, तब जाकर ज्योति को उसकी फाइल वापस मिली। शुक्रवार शाम को वह बहुत रो रही थी। उसे फेल करने की धमकी दी जा रही थी। छात्र बोले- इतना टॉर्चर कैसे झेले कोई?

भोले की सिक्योरिटी में रावण! उत्तर भारत का सबसे विशाल सफेद संगमरमर का शिवलिंग, 165 साल पुराने मंदिर की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। सावन का महीना चल रहा है। श्रद्धालु भगवान शिव के कई स्वरूपों की भक्ति कर रहे हैं। कानपुर के बड़ा चौराहा स्थित शिवाला कहे जाने वाले स्थान पर कैलाश मंदिर में का एक रहस्यमई शिवलिंग स्थापित है, जिस पर शिव भक्तों की आस्था भरपूर है। कहा जाता है इस मंदिर में अपनी मन्नत मांग कर या तो कोई लगातार शिवलिंग के दर्शन नहीं कर पाता और अगर कर लेता है, तो उसकी मनोकामना जरुर पूर्ण होती है।

यह एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर सफेद है। इस मंदिर को लेकर लोग हमेशा ये जानना चाहते हैं कि यहां पर मौजूद पांच फीट ऊंचा और सात फीट चौड़ा संगमरमर से बना शिवलिंग आखिर चार फीट के दरवाजे के अंदर कैसे गया। इसे उत्तर भारत का सबसे विशाल शिवलिंग माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण

साल 1860 के आसपास दिवंगत गुरु प्रसाद शुक्ल द्वारा करवाया गया था।

शिवलिंग लाते समय गंगा जी में आई थी बाढ़

यहां पर स्थापित शिवलिंग का व्यास इतना बड़ा है कि इसे दोनों हाथों से नहीं पकड़ा जा सकता। ना ही आलिंगन किया जा सकता है। कहा जाता है कि इस शिवलिंग को बनवाने के बाद जब यह कानपुर लाया जा रहा था, तभी गंगा जी में बाढ़ आ गई थी। इसके बाद यह शिवलिंग करीब एक साल बाद कानपुर पहुंच सका था। जब शिवलिंग कानपुर मंदिर पर पहुंचा तो इसके अंदर जाने को लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगे।

शिवलिंग बड़ा था और मंदिर के दरवाजे छोटे

मंदिर की स्थापना करने वाले गुरु प्रसाद शुक्ला बेहद निराश हुए क्योंकि मंदिर के दरवाजे छोटे थे और शिवलिंग काफी बड़ा था, लेकिन भगवान भोलेनाथ पर उनकी पूरी आस्था थी। उन्होंने एक महीने के लिए अन्न, जल त्याग दिया। इसी दौरान कानपुर में शंकराचार्य का आना हुआ। शंकराचार्य से गुरु प्रसाद ने अपनी यह समस्या बताई तो उन्होंने मंदिर परिसर में हवन-पूजन शुरू कर दिया।

गुरु प्रसाद को आया ये सपना

इसके बाद गुरु प्रसाद को सपना आया। उन्होंने देखा कि शिवलिंग स्थापित हो गया है। फिर उन्होंने सुबह मंदिर के पट खोले तो देखा कि जिस जगह पर उनका शिवलिंग स्थापित करने का मन था, शिवलिंग वहां पर पहुंच चुका था, जिसको देखकर वह बड़े आश्चर्यचकित हुए। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि की अगर यहां लगातार सोमवार को शिव जी का जलाभिषेक किया जाए तो सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

शिव जी के प्रहरी की भूमिका में रावण

इस मंदिर की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि यहां पर भगवान शिव की रक्षा के लिए रावण का मंदिर भी मौजूद है। जो विजयदशमी के दिन एक बार कुछ देर के लिए खोला जाता है। फिर विधि-विधान से पूजा करने के बाद रावण दहन के पहले इसे बंद कर दिया जाता है। रावण इस मंदिर में भगवान भोलेनाथ के प्रहरी की भूमिका में है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर ; 6 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ। यहां एक अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इको में सवार लोग दिल्ली से कानपुर जा रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, हादसा यमुना एक्सप्रेसवे पर माइल स्टोन 140 किमी पर बलदेव थाना इलाके में हुआ। हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ईको सवारों को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो घायलों का इलाज जारी है।

आगरा जा रही बस और ट्रक के बीच भीड़ंत

वहीं मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र में ही शुक्रवार की रात ही एक और हादसा हुआ। यह हादसा एक्सप्रेस वे के माइलस्टोन 131 किलोमीटर पर हुआ। दिल्ली से आगरा जा रही बस और ट्रक के बीच भीड़ंत हो गई। इस हादसे में बस में सवार करीब दो दर्जन सवारियां घायल हो गईं। पुलिस ने दोनों हादसों की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

डीएम और एसएसपी पहुंचे जिला अस्पताल

घटना की जानकारी मिलते ही डीएम और एसएसपी दोनों जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने घायलों से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। साथ ही डॉक्टरों को सही उपचार करने के दिशा-निर्देश दिए। डीएम और एसएसपी ने बताया कि थाना बलदेव इलाके में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं घायलों का उपचार अभी जारी है। यमुना एक्सप्रेसवे पर दो जगहों पर सड़क हादसा हुआ। मथुरा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि दोनों ही हादसे ड्राइवर को नींद आने की वजह से हुए।

भूख की कमी के साथ दिख रहे हैं कमजोरी और थकान जैसे लक्षण? कहीं आपको फैटी लीवर की समस्या तो नहीं

फैटी लीवर की समस्या बहुत खतरनाक होती है, और ध्यान देने वाली बात यह है कि इसके शुरुआती लक्षण बहुत आम होते हैं जिसे सामान्यतौर पर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। आइए इस लेख में इसके लक्षण और इससे बचाव के कुछ सरल उपाय के बारे में जानते हैं।

लिवर हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। यह पाचन से लेकर शरीर से गंदगी निकालने और हमें ऊर्जा देने जैसे सैकड़ों अहम काम करता है। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जींदगी में खाने-पीने की आदतों की वजह से एक खतरनाक समस्या तेजी से फैल रही है, जिसे हम फैटी लिवर कहते हैं।

अक्सर यह बीमारी बिना किसी बड़े लक्षण के चुपचाप पनपती है। यही कारण है कि लोग इसकी गंभीरता को समझ ही नहीं पाते है। हालांकि, जब इसके संकेत दिखना शुरू होते हैं, तो वे इतने आम लगते हैं कि हम उन्हें अक्सर अनदेखा कर देते हैं। जैसे, अगर आपको बिना वजह थकान, कमजोरी या भूख की कमी महसूस हो रही है, तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। ये लक्षण आपके लिवर में जरूरत से ज्यादा चर्बी जमा होने का एक गंभीर इशारा हो सकते हैं। इसलिए समय रहते सतर्क होना बहुत जरूरी होता है।क्या है फैटी लीवर?

फैटी लीवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की कोशिकाओं में सामान्य से ज्यादा फैट जमा हो जाती है। यह मुख्य रुप से दो प्रकार का होता है- अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज, जो ज्यादा शराब पीने से होता है, और नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज (NAFLD), जो शराब न पीने वालों में भी होता है।

नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज आजकल ज्यादा आम है और इसके मुख्य कारण हैं मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मेटाबॉलिक सिंड्रोम और अनहेल्दी डाइट। जब लिवर में फैट जमा होने लगता है, तो इसकी काम करने की क्षमता प्रभावित होती है, जिससे धीरे-धीरे शरीर में कई परेशानियां शुरू हो जाती हैं।

फैटी लीवर के लक्षण

फैटी लीवर के शुरुआती लक्षण अक्सर बहुत मामूली होते हैं, बहुत से लोग नजरअंदाज कर देते हैं। आइए उन लक्षणों के बारे में जानते हैं-

थकान और कमजोरी

लिवर शरीर की ऊर्जा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब लिवर पर फैट जमा होता है, तो वह ठीक से काम नहीं कर पाता, जिससे लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है।

भूख की कमी

लिवर के प्रभावित होने पर पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है, जिससे व्यक्ति को भूख कम लगती है और खाने का मन नहीं करता। यह वजन घटने का भी कारण बन सकता है।

पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में बेचैनी

लिवर पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में स्थित होता है। फैट बढ़ने या सूजन होने पर यहां हल्का दबाव या बेचैनी महसूस हो सकती है।

मतली

कुछ लोगों को पाचन में गड़बड़ी के कारण मतली या हल्का जी मिचलाने का अनुभव हो सकता है।

जब फैटी लीवर गंभीर बन जाता है

यदि फैटी लीवर का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह गंभीर रूप ले सकता है। यह नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (NASH) में बदल सकता है, जहां लिवर में सूजन और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है। गंभीर अवस्था में दिख सकने वाले लक्षणों में पीलिया (त्वचा और आंखों का पीला पड़ना), पेट में तरल पदार्थ जमा होना (सूजन), पैरों और टखनों में सूजन, मानसिक भ्रम और घाव का जल्दी न भरना शामिल है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या न खाएं

विशेषज्ञों के मुताबिक़ क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस पर गौर करना चाहिए।

खाने में अतिरिक्त चीनी न डालें - कुकीज़, बिस्कुट, कैंडी, सोडा, स्पोर्ट्स ड्रिंक, पैकेज्ड जूस, मिठाई और चॉकलेट जैसी चीजों से दूर रहें।

तला हुआ और प्रोसेस्ड फूड न खाएं - मछली और लीन मीट को डीप-फ्राइ करने के बजाय उबालें। प्रोसेस्ड मीट से बचें। फ्राइड चिकन, डोनट्स, चिप्स, बर्गर वगैरह से परहेज करें। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में अक्सर फ्रुक्टोज या हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप जैसी चीजें होती हैं जो फैटी लिवर को बढ़ाती हैं।

अतिरिक्त नमक न लें - यानी आप ऐसे पैकेज्ड फूड से दूर रहें जिसमें ज्यादा नमक होता है। सोडियम का सेवन प्रतिदिन 2,300 मिलीग्राम पर सीमित रखें।

व्हाइट ब्रेड, पिसा हुआ चावल या पास्ता न खाएं: ये शुगर के स्तर को बढ़ा सकते हैं। साबुत अनाज इस प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं क्योंकि इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है।

बहुत ज़्यादा खाना न खाएं:- ज़्यादा खाने से आपके शरीर में ज़रूरत से ज़्यादा कैलोरी जमा हो सकती है जो आसानी से फैट के रूप में जमा हो जाती है और फैटी लिवर रोग का जोखिम बढ़ जाता है।

फैटी लिवर के ख़तरों के कैसे जानें

डॉ. रंजन कहते हैं कि लिवर की कोशिकाओं में फैट के सामान्य स्तर से सिरोसिस तक पहुंचने में लंबा समय यानी पांच से दस साल तक लग सकते हैं। लिवर सिरोसिस के ख़तरे को सिग्निफिकेंट फाइब्रोसिस कहते हैं। इसे फाइब्रोस्कैन से पहचाना जाता है। इलेस्टोग्राफ़ी से भी इसकी पहचान होती है। अगर लिवर में कड़ापन ज़्यादा है तो इसे दवा से ठीक करना पड़ता है। जीवनशैली ठीक कर और एक्सरसाइज से भी इसे नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है। दवा के अलावा मोटापा, डाइबिटीज़ और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर भी फैटी लिवर डिजीज को नियंत्रित करने की कोशिश होती है। एंटी ओबिसिटी दवाइयां फैट को कम करती हैं।

क्या खाना चाहिए

सुबह अच्छा नाश्ता करें। दोपहर को मध्यम खाना लें और रात का खाना हल्का लें। रात का खाना सात बजे तक खा लें।
ब्लैक कॉफी पी सकते हैं। कई अध्ययनों से पता चला है कि कि ये फैटी लिवर और असामान्य लिवर एंजाइम के जोखिम को कम करता है।
पत्तेदार सब्जियों का भरपूर सेवन करें, क्योंकि इनमें नाइट्रेट और पॉलीफेनॉल्स की मौजूदगी होती है जो फैटी लिवर को कंट्रोल करने में मददगार होते हैं।
आधी प्लेट में फाइबर वाले फल, सब्जियां और साबुत अनाज रखें।
खाने में दाल, चना, सोयाबीन और मटर जैसी फलियां शामिल करें।
ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछली ट्राइग्लिसराइड्स को कम करती है।

घर पर ही करती हैं आइब्रो थ्रेडिंग तो इन बातों का ध्यान अवश्य रखें

चेहरे की खूबसूरती तब कई गुना बढ़ जाती है, जब महिलाएं आइब्रो की थ्रेडिंग बनवा लेती हैं। इसकी वजह से आंखें और भी ज्यादा प्यारी लगने लगती हैं। आईब्रो की थ्रेडिंग बनाने के लिएल बहुत सी महिलाएं वैक्सिंग का सहारा लेती हैं, तो वहीं ज्यादातर महिलाएं थ्रेडिंग कराती हैं। आइब्रो सेट कराने के लिए थ्रेडिंग सबसे सरल और आसान रास्ता माना जाता है। इसी के चलते कई महिलाएं तो घर पर खुद से ही थ्रेडिंग कर लेती हैं।

अगर आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो घर पर ही थ्रेडिंग करना पसंद करती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो एक तो आपका लुक प्यारा दिखेगा और साथ ही में इसकी वजह से आपके चेहरे पर किसी तरह की एलर्जी नहीं होगी।

धागा हो साफ

यदि आप नियमित रूप से घर पर ही आईब्रो बनाती हैं तो ध्यान रखें कि कि एक ही धागे तो बार-बार इस्तेमाल न करें। थ्रेडिंग के लिए हमेशा नया धागा लें। कभी भी इस्तेमाल किया हुआ धागा दोबारा इस्तेमाल न करें। ध्यान रखें कि गंदा धागा स्किन में बैक्टीरिया फैला सकता है। इसलिए हर बार नया धागा लें।

हाथ को धोएं अवश्य

आइब्रो पर थ्रेडिंग बनाते समय अपने हाथों को अच्छी तरह से धोएं। यदि आप गंदे हाथ से थ्रेडिंग बनाएंगे तो इससे इंफेक्शन फैलने का खतरा बढ़ जाता है। हाथों के साथ-साथ अपने चेहरे को भी अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें, वरना चेहरे पर मुंहासों जैसी दिक्कतें पैदा होंगी।

रोशनी होनी चहिए ज्यादा

थ्रेडिंग बनाते समय ऐसी जगह पर बैठें, जहां रोशनी तेज आती हो। यदि आप अंधेरे में या फिर कम रोशनी में थ्रेडिंग बनाएंगी तो इससे हो सकता है कि आइब्रो की शेप बिगड़ जाए। इसलिए पहले रोशनी को सेट कर लें, फिर ही थ्रेडिंग करें।

एलोवेरा का इस्तेमाल करें

थ्रेडिंग के बाद स्किन काफी सेंसेटिव हो जाती है। इसलिए हमेशा आईब्रो पर थ्रेडिंग के बाद त्वचा पर एलोवेरा इस्तेमाल अवश्य करें। ये आपकी त्वचा को एलर्जी से बचाएगा और साथ ही में थ्रेडिंग की वजह से होने वाली जलन को भी एलोवेरा कम करने का काम करेगा।

तुरंत मेकअप न करें

इस बात का खास ध्यान रखें कि थ्रेडिंग के तुरंत बाद स्किन के पोर्स खुले होते हैं। ऐसे में अगर आप थ्रेडिंग के तुंरत बाद मेकअप करेंगे तो इससे मेकअप के केमिकल्स त्वचा के अंदर जा सकते हैं और उसकी वजह से स्किन पर पिंपल्स हो सकते हैं।

इस बात का ध्यान रखें

अगर पहली बार घर पर थ्रेडिंग कर रही हैं, तो पहले थोड़ा अभ्यास करें और जरूरत हो तो आइब्रो पेंसिल से गाइड लाइन बना लें। पेंसिल से लाइन बनाकर बाद आपकी आइब्रो की शेप बिगड़ेगी नहीं।

आने वाला है हरियाली तीज का त्योहार, अपने पार्टनर के लिए खरीद कर रख लें ये तोहफे

हरियाली तीज का त्योहार प्यार बढ़ाने और रिश्ते को मजबूत करने का दिन है। ऐसे में आप इस दिन अपनी पत्नी को खास तोहफा भी दे सकते हैं।

हरियाली तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। जहां एक तरफ सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और तरक्की के लिए इस दिन भगवान शिव की पूजा करती हैं, तो वहीं अविवाहित युवतियां महादेव जैसे वर की कामना के लिए इस दिन पूजा-अर्चना करती हैं।

जिन लड़कियों की नयी-नयी शादी होती है, इस दिन का इंतजार वो हमेशा से करती हैं, क्योंकि ये हरियाली तीज का दिन होता है प्यार और रिश्ते को मजबूत करने के लिए। इस साल हरियाली तीज का त्योहार 27 जुलाई को मनाया जाएगा। ऐसे में आप चाहें तो अपनी पत्नी को इस दिन खास तोहफा दे सकते हैं। यहां पत्नी को देने वाले तोहफों के कुछ विकल्प हम आपको बताने जा रहे हैं।

स्टाइलिश घड़ी

अगर आपकी पत्नी वर्किंग है, तो उसे तोहफे में स्टाइलिश सी घड़ी दें। घड़ी पहनकर उनका लुक काफी प्यारा दिखेगा। ऐसे में आप अपनी पत्नी को तोहफे में एक ब्रांडेड या क्लासिक लुक वाली घड़ी दें। इसे वो हमेशा पहनकर रखेंगी, जिस कारण उन्हें आपके पास होने का भी एहसास होता रहेगा। स्टाइलिश सी घड़ी एक बेहतर विकल्प हो सकती है।

पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स

अगर आप अपनी पत्नी को कुछ खास देना चाहते हैं तो ऐसे सिंपल गिफ्ट की जगह उन्हें पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स तोहफे में दें। इन तोहफों में आप खूबसूरत सा फोटोफ्रेम या फिर अन्य चीजें दे सकते हैं। यदि आपकी नयी-नयी शादी हुई है तो अपनी पत्नी के शादी के सामानों को प्रिजर्व भी करा कर आप उन्हें तोहफे में दे सकते हैं।

स्किन केयर किट

आज-कल लड़कियां अपनी स्किन का काफी ध्यान रखती हैं। ऐसे में आप अपनी पत्नी को तोहफे में उनसे स्किन टाइप के हिसाब से ही उनकी पसंदीदा कंपनी की स्किन केयर किट भी तोहफे में दे सकते हैं। इसका इस्तेमाल वो जब-जब करेंगी, तब उन्हें आपपर प्यार आएगा। ये एक काफी अच्छा तोहफा हो सकता है।

पहनाएं अंगूठी

लड़कियों को अंगूठी पहनने का काफी शौक होता है। ऐसे में आप अपनी पत्नी के लिए अंगूठी तोहफे में ला सकते हैं। जब तीज के त्योहार पर अंगूठी आप उन्हें तोहफे में देंगे, तो इसे वो हमेशा पहनकर रखेंगी। बस ध्यान रखें कि ये अंगूठी ऐसी हो, जिसे लंबे समय तक पहनकर रखा जा सके।

लव लेटर दें

अपनी पत्नी को इंप्रेस करना है, या उन्हें उनके खास होने का एहसास कराना है तो अपने हाथ से लिखा लव लेटर उन्हें तोहफे में दें। लड़कियों को ऐसे तोहफे काफी पसंद आते हैं। ऐसे में अपनी पत्नी के लिए खुद से लव लेटर लिखें, ताकि वो इसे पढ़कर खुश हो सकें।

आपकी कंपनी तो नहीं कर रही आपके साथ धोखा? ऐसे करें चेक पीएफ खाते में हर महीने जमा हो रहे हैं पैसे या नहीं

जो लोग भी भी नौकरी करते हैं, वे अपनी सैलरी को लेकर बड़ी उम्मीद में रहते हैं। सैलरी समय पर आए, हर साल समय पर सैलरी बढ़ जाए, सैलरी इतनी हो कि आज की जरूरतों को पूरा करने के अलावा कल के लिए भी कुछ बचत हो सके आदि। वहीं, जो लोग नौकरी करते हैं उनके नियमों के तहत पीएफ खाते भी खोले जाते हैं जिसमें हर महीने कर्मचारी की सैलरी में से कुछ पैसे जमा किए जाते हैं।

साथ ही उतने ही पैसे कंपनी को भी कर्मचारी के पीएफ खाते में अपनी तरफ से जमा करवाने होते हैं और फिर ईपीएफओ सालाना जमा कुल पैसे पर ब्याज भी देता है। ऐसे में नौकरी के बीच में जरूरत पड़ने पर या नौकरी छोड़ने के बाद आप अपने पीएफ के पैसे को निकाल सकते हैं, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि आपकी कंपनी आपके पीएफ खाते में ये पैसे जमा कर भी रही है या नहीं? ऐसे में आपके लिए ये जानना जरूरी हो जाता है। तो चलिए जानते हैं आप ये कैसे चेक कर सकते हैं। आगे आप इसका तरीका जान सकते हैं...

कैसे कर सकते हैं चेक?

दरअसल, कंपनी की ये जिम्मेदारी बनती है कि जो पैसे वो कर्मचारी की सैलरी से पीएफ के नाम पर काट रही है और जो पैसे कंपनी को अपनी तरफ से कर्मचारी के पीएफ खाते में जमा करने हैं, उसे वो समय पर जमा करे। ऐसे में आप अपनी पीएफ की पासबुक चेक कर ये पता लगा सकते हैं कि आपकी कंपनी आपके पीएफ के पैसे जमा कर रही है या नहीं।

ऐसे चेक कर सकते हैं पासबुक:-

स्टेप 1

अगर आपको भी ये जानना है कि आपकी कंपनी आपके पीएफ खाते में आपके हिस्से के पैसे जमा कर रही है या नहीं, तो आप अपनी पासबुक चेक कर ये जान सकते हैं

इसके लिए आपको सबसे पहले ईपीएफओ की पासबुक वाली आधिकारिक वेबसाइट https://passbook.epfindia.gov.in/MemberPassBook/login पर जाना है

स्टेप 2

यहां पर जाकर आपको पहले अपना यूएएन नंबर भरना है

फिर आपको पासवर्ड दर्ज करना है और इसके बाद आपको कैप्चा कोड भरकर लॉगिन पर क्लिक करना है

अब ये लॉगिन हो जाएगा तो यहां पर आपको कई सार सेक्शन दिखेंगे

ऐसे में आपको यहां पर 'Passbook' वाले सेक्शन पर क्लिक करना है

स्टेप 3

इसके बाद अगर आपके एक से ज्यादा पीएफ अकाउंट है तो अपनी लेटेस्ट वाली मेंबर आईडी (जिससे वर्तमान वाली कंपनी लिक हो) चुनें

अब आप देखेंगे तो आपको नीचे की तरफ अपनी पासबुक दिखेगी

इसमें आपको अपना कुल मौजूदा बैलेंस दिखेगा और साथ ही हर महीने आपके पीएफ खाते में कितने पैसे जमा हुए या नहीं हुए हैं, ये भी आप देख सकते हैं

आपको सालाना कितना ब्याज मिला है आदि, आप ये सब अपनी पासबुक में चेक कर सकते हैं

केंद्र ने भारत के ऑटोमोटिव मिशन प्लान 2047 के लिए शुरू किया काम

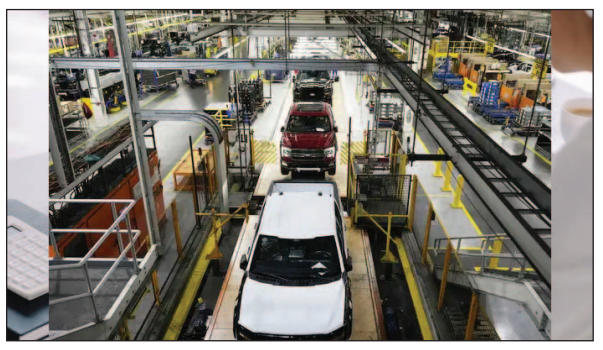

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी उद्योग मंत्रालय ने ऑटोमोटिव मिशन प्लान 2047 (एएमपी 2047) तैयार करने की पहल की है। इसका उद्देश्य 2047 तक भारत को ग्लोबल ऑटोमोटिव सेक्टर में अग्रणी बनाने के लिए इनोवेशन, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देना है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में बताया गया कि यह पहल विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप एक रणनीतिक रोडमैप है, जो पिछली ऑटोमोटिव मिशन योजनाओं की उपलब्धियों पर आधारित है, जिन्होंने हितधारकों के सहयोग से भारत के ऑटोमोटिव सेक्टर में वृद्धि को बढ़ावा दिया था।

एएमपी 2047 उप-समितियों की उद्घाटन बैठक उद्देश्यों की रूपरेखा तैयार करने के लिए आयोजित की गई।

भारी उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने कहा, 2047 का विजन कोई आकांक्षा नहीं, बल्कि एक रणनीतिक रोडमैप है, जो सेक्टर के विकास, निर्यात और उद्योग उन्नति के ठोस लक्ष्यों पर आधारित है। हमें विशिष्ट तकनीकों या कंपनियों से आगे बढ़कर 2047 में भारत की वैश्विक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिसका लक्ष्य इनोवेशन और गुणवत्ता के माध्यम से ग्लोबल ऑटोमोटिव व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है।

ऊर्जा मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, डीपीआईआईटी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और एसआईएएम, एसीएमए, सीआईआई, फिक्की जैसे उद्योग निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, शोध थिंक टैंक और परीक्षण एजेंसियों सहित विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने एएमपी 2047 को आकार देने के लिए उद्योग-नेतृत्व वाले प्रयास की शुरुआत करने के लिए इस बैठक में भाग लिया।

यह पहल तकनीकी प्रगति और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए ऑरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम), ऑटो कंपोनेंट निर्माताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और एंड यूजर्स सहित हितधारकों के सामूहिक दृष्टिकोण को इंटीग्रेट करने का प्रयास करती है।

सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों वाली सात उप-समितियां 2030, 2037 और 2047 के लक्ष्यों को लक्षित करते हुए एक व्यापक योजना के विकास का मार्गदर्शन करेंगी।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के मार्गदर्शन में मंत्रालय एक आत्मनिर्भर, इनोवेटिव और सस्टेनेबल ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

बयान में आगे कहा गया है कि उप-समितियों की कई बैठकों में विचारों और आंकड़ों को कंसोलिडेट किया जाएगा ताकि भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति के समक्ष प्रस्तुतिकरण किया जा सके।

एप्पल ने भारत में 2025 की पहली छमाही में बनाए रिकॉर्ड तोड़ आईफोन, निर्यात में भी सबसे ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि एप्पल ने भारत में स्मार्टफोन निर्माण में एक नया मानक स्थापित किया है और 2025 की पहली छमाही के दौरान आईफोन उत्पादन के साथ-साथ निर्यात में अब तक की सबसे तेज वृद्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए ग्लोबल टेक मैन्युफैक्चरिंग में देश की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, एप्पल ने भारत में रिकॉर्ड आईफोन उत्पादन हासिल किया। मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी और जून 2025 के बीच भारत में आईफोन उत्पादन सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 23.9 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। 2017 में देश में स्मार्टफोन असेंबलिंग शुरू करने के बाद से यह एप्पल का सबसे बड़ा विस्तार है। इस वृद्धि को खासकर चीनी वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा उच्च टैरिफ के मंडराते खतरे के बीच एप्पल की चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत देखा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात में भी इसी तरह की वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है।

भारत में निर्मित आईफोन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा गंतव्य था, जहां कुल निर्यात का 78 प्रतिशत निर्यात हुआ, जो एक साल पहले 53 प्रतिशत था।

नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यूके और जापान जैसे अन्य बाजारों में भारतीय आईफोन शिपमेंट में उनकी हिस्सेदारी में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, फॉक्सकॉन ने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अग्रणी भूमिका निभाई, जिसने निर्यात किए गए आईफोन में आधे से अधिक का योगदान दिया।

टाटा समूह भी एक मजबूत प्लेयर के रूप में उभरा है, जो अब भारत से एप्पल के आईफोन निर्यात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह बेहतर मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन और भारत की क्षमताओं में एप्पल के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

कैनालिस ओमडिया के प्रमुख विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा, यह भारत में एप्पल का अब तक का सबसे पहला प्रमुख उत्पादन विस्तार हो सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर भारत चीन के प्रोडक्शन टाइमलाइन की बराबरी कर लेता है तो यह एप्पल की ग्लोबल सप्लाई चेन रणनीति में एक नया अध्याय लिखेगा। इस वृद्धि को इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का भी समर्थन प्राप्त है, जो स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए निर्माताओं को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

लश्कर-जैश का खुलकर समर्थन करने वाला चीन द रेजिडेंट फ्रंट के विरोध में क्यों उतरा?

बीजिंग, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल द रेजिडेंट फ्रंट को अब चीन भी नहीं बचाएगा. चीन ने अमेरिकी एक्शन का समर्थन किया है और कहा है कि आतंकवादी संगठनों को लेकर चीन कोई रहम वाला बर्ताव नहीं करेगा। अमेरिका ने 2 दिन पहले पाकिस्तान में मौजूद द रेजिडेंट फ्रंट को आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल किया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लीन जियान ने अमेरिकी प्रयासों का समर्थन किया है। लीन के मुताबिक चीन हमेशा से आतंकवाद का विरोध करता रहा है। अगर किसी पर इस तरह का आरोप है, तो चीन उसके खिलाफ है।

लीन जियान ने और क्या कहा है?

बीजिंग में पत्रकारों से बात करते हुए लीन जियान ने कहा कि चीन सभी प्रकार के आतंकवाद का दृढ़ता से विरोध करता है। 22 अप्रैल को भारत के पहलगाम में जो हुआ, उसकी हम कड़ी निंदा करते हैं।

जियान ने आगे कहा कि चीन अपने आसपास के पड़ोसी देशों से आतंकवाद-रोधी सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाए रखने का आह्वान करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जिस तरीके से यह फैसला किया है, वो सराहनीय है।

बड़ा सवाल- TRF के विरोध में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र संघ में पर्दे के पीछे से जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों का समर्थन देने वाला चीन आखिर द रेजिडेंट फ्रंट के खिलाफ मुखर क्यों है? वो भी तब, जब टीआएरफ लश्कर ए तैयबा का ही एक शाखा है। दरअसल, चीन पहलगाम मामले में कुछ भी ऐसा नहीं करना चाहता है, जिससे उसकी किरकिरी हो। पहलगाम में जिस तरीके से लश्कर समर्थित टीआरएफ के आतंकियों ने निर्दोष प्रयटकों पर अटैक किया, उससे पूरी दुनिया में उसकी आलोचना हुई।

चीन इन आतंकियों के साथ हमदर्दी दिखाकर खुद बैकफुट पर नहीं आना चाहता है। दूसरी वजह चीन भारत के साथ रिश्ते सुधारने में जुटा है। अमेरिकी टैरिफ दबाव को कम करने के लिए चीन की कोशिश सहयोगी देशों को लामबंद करना है।

रूस के विदेश मंत्री लावरोव ने हाल ही में एक बयान में कहा कि हम चीन के साथ मिलकर भारत को साध रहे हैं। टीआरएफ पर विरोधी रूख अपनाकर चीन की कोशिश भारत को साथ रखने की है। यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय ने खुलकर टीआरएफ पर बयान दिया है।

टीआरएफ नामक आतंकी संगठन क्या है?

साल 2019 में लश्कर ए तैयबा और इंडियन मुजाहिद्दीन नामक आतंकी संगठन ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर द रेजिडेंट फ्रंट की स्थापना की। ओआरएफ पत्रिका के मुताबिक संगठन का उद्देश्य भारत के जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाना है। संगठन के कमांडरों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में होती है। टीआरएफ पहला आतंकी संगठन है, जिसका कोई मुखिया नहीं है। संगठन की स्थापना सज्जाद गुल ने की थी। हाफिज सईद और आईएसआई के अधिकारियों का इस संगठन के संचालन में सीधा दखल है। पहलगाम अटैक के बाद इस संगठन ने खुद आगे आकर उसकी जिम्मेदारी ली।

जंग के लिए अमेरिका के पास सिर्फ 8 दिन का हथियार... US के पूर्व सैन्य अधिकारी ने किया बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका जिसे दुनिया की सबसे ताकतवार सैन्य शक्ति माना जाता है, अब अपने हथियारों की भारी कमी का सामना कर रहा है। अमेरिका सेना के पूर्व कर्नल और पेंटागन के पूर्व सलाहकार डगलस मैकग्रेगर ने इस बारे में बड़ा दावा किया है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका मौजूदा हालात में किसी युद्ध में उतरता है तो वो सिर्फ 8 दिन तक ही लड़ सकेगा। इसके बाद उसे परमाणु हथियारों का सहारा लेना पड़ सकता है।

मैकग्रेगर की ये टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की एक बड़ी खेप भेजने का ऐलान किया है। अमेरिका लगातार यूक्रेन की मदद करता आ रहा है, खासतौर पर रूस के खिलाफ युद्ध में। लेकिन अब यही मदद अमेरिका की खुद की रक्षा तैयारियों पर असर डालती दिख रही है।

एक्स (X) पर दी बड़ी चेतावनी

डगलस मैकग्रेगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले ट्विटर) पर कहा है कि हम केवल 8 दिन तक ही पारंपरिक युद्ध लड़ सकते हैं, उसके बाद हमें न्यूक्लियर विकल्प की ओर जाना होगा। उन्होंने अमेरिका की मिसाइलों की घटती संख्या को लेकर चिंता जताई है और साफ कहा है कि अब वक्त है जब अमेरिका को अपने हथियार विदेश भेजना बंद कर देना चाहिए।

क्यों है ये खबर बड़ी?

अमेरिका की पहचान अब तक एक ऐसे देश की रही है जो दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध छेड़ने की ताकत रखता है। ऐसे में अगर अमेरिका के ही मिसाइल स्टॉक पर संकट मंडराने लगे तो यह न सिर्फ अमेरिका बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है।

रूस का भी कड़ा रुख

इस बीच रूस ने भी पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका द्वारा दी जा रही लंबी दूरी की मिसाइलों को लेकर आपत्ति जताई है। रूस का कहना है कि यूक्रेन इन मिसाइलों का इस्तेमाल रूसी नागरिक इलाकों पर हमले के लिए कर रहा है, जिससे शांति प्रयासों को नुकसान पहुंच रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि अगर यूक्रेन को इस तरह के हथियार दिए जाते हैं तो इससे जंग की दिशा ही बदल जाएगी। हमें फिर ये तय करना होगा कि क्या NATO देश सीधे तौर पर इस लड़ाई में शामिल हैं या नहीं।

उत्तर कोरिया ने चुपचाप अंतरिक्ष में भेज दिए इतने रॉकेट, सैटेलाइट तस्वीर से दुनिया में मची खलबली

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया एक बार फिर अपने अंतरिक्ष मिशन को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल एक सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि उत्तर कोरिया ने अपने अहम स्पेस लॉन्चिंग स्टेशन सोहे Sohae Satellite Launching Station में एक नया और बड़ा पियर यानी जहाजों को लंगर डालने वाला प्लेटफॉर्म तैयार कर लिया है। माना जा रहा है कि यह सुविधा बड़े रॉकेट हिस्सों की ढुलाई के लिए बनाई गई है।

ये वही लॉन्च स्टेशन है जिसे उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने 2022 में आधुनिक बनाने के आदेश दिए थे। इस स्टेशन से बड़े रॉकेट लॉन्च किए जाते हैं और यहीं पर रॉकेट इंजनों की टेस्टिंग भी होती है। दिलचस्प बात ये है कि 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान किम ने इसी स्टेशन को खत्म करने का वादा किया था, ताकि प्रतिबंधों से राहत मिल सके। लेकिन बाद में उन्होंने उस वादे को तोड़ दिया।

सैटेलाइट इमेज में क्या दिखा?

Planet Labs की ओर से जारी ताजा सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि 25 मई तक ये पियर बन रहा था और हाल ही में ये पूरी तरह तैयार हो गया है। इसका मकसद बड़े और भारी रॉकेट पार्ट्स को समुद्र के रास्ते स्टेशन तक लाना बताया जा रहा है। 38 North प्रोजेक्ट के मुताबिक, पियर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बड़े और भारी जहाज़ यहां आसानी से लंगर डाल सकें। इसके अलावा स्टेशन के अंदर नई सड़कें और संभवतः रेलवे लाइन भी बिछाई जा रही हैं जिससे रॉकेट के पुर्जे और ईंधन एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान हो सके।

अब तक कितने रॉकेट भेज चुका है उत्तर कोरिया?

38 North प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने अगस्त 1998 से मई 2024 के बीच कम से कम 9 बार सैटेलाइट रॉकेट लॉन्च करने की कोशिश की है, इनमें से सिर्फ तीन लॉन्चिंग को ही सफल माना गया है। बाकी प्रयास या तो विफल रहे या अधूरे। सबसे हाल की कोशिश में तो रॉकेट पहले स्टेज में ही फट गया था। यही वो वजह है जिससे दुनिया को लगने लगा है कि उत्तर कोरिया चुपचाप अपनी स्पेस कैपेबिलिटी को तेजी से बढ़ा रहा है।

रॉकेट और सैटेलाइट के पीछे असली मंशा क्या?

उत्तर कोरिया कई बार कह चुका है कि वह अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेजना चाहता है, लेकिन दुनिया का शक ये है कि वो इस बहाने बैलिस्टिक मिसाइल टेक्नोलॉजी को टेस्ट कर रहा है। संयुक्त राष्ट्रप पहले ही इसे बैन कर चुका है क्योंकि मिसाइल और सैटेलाइट लॉन्चर में एक जैसी टेक्नोलॉजी होती है जैसे इंजन, गाइडेंस सिस्टम और वॉरहेड अलग करने की तकनीक। जहां उत्तर कोरिया गुपचुप रॉकेट लॉन्च की तैयारी में है, वहीं उसका पड़ोसी दक्षिण कोरिया खुले तौर पर पिछले दो साल में चार जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज चुका है और एक और लॉन्च बाकी है।

दीदी हिंदू अपनी ही जमीन पर अल्पसंख्यक हो रहे, भाषा विवाद पर अब ममता और हिमंत आमने-सामने

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र और बीजेपी शासित राज्यों की सरकारों पर बंगाली भाषी प्रवासियों को 'अवैध बांग्लादेशी' या 'रोहिंग्या' बताकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है। इस पर अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सीमा पार से मुस्लिम घुसपैठ की चिंता व्यक्त की है, जिससे असम में हिंदुओं का अल्पसंख्यक बनने का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने ममता बनर्जी पर राजनीतिकरण का आरोप लगाया जबकि ममता बनर्जी ने बीजेपी पर बंगाली भाषी लोगों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। यह विवाद बंगाली भाषी प्रवासियों के अधिकारों और असम की सीमा सुरक्षा पर केंद्रित है।

ममता बनर्जी की सोशल मीडिया पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए सीएम हिमंत ने लिखा कि दीदी, मैं आपको याद दिला दूं कि असम में, हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं। हम सीमा पार से जारी, अनियंत्रित मुस्लिम घुसपैठ का निडरता से विरोध कर रहे हैं, जिसने पहले ही एक भयावह बदलाव ला दिया है। कई जिलों में, हिंदू अब अपनी ही जमीन पर अल्पसंख्यक बनने के कगार पर हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि यह कोई राजनीतिक कहानी नहीं है। यह एक हकीकत है। यहां तक कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस तरह की घुसपैठ को बाहरी आक्रमण करार दिया है। इसके बाद भी, जब हम अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए उठते हैं, तो आप इसका राजनीतिकरण करना पसंद करते हैं।

असम अपनी विरासत के लिए लड़ता रहेगा- सीएम हिमंत

सीएम हिमंत ने कहा कि हम लोगों को भाषा या धर्म के आधार पर नहीं बांटते हैं। असमिया, बांग्ला, बोडो, हिंदी सभी भाषाएं और समुदाय यहां अस्तित्व में रहे हैं। लेकिन कोई भी सभ्यता जीवित नहीं रह सकती अगर वह अपनी सीमाओं और अपनी सांस्कृतिक नींव की रक्षा करने से इनकार कर दे।

उन्होंने कहा कि जहां हम असम की पहचान को बचाए रखने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं, वहीं दीदी, आपने बंगाल के भविष्य के साथ समझौता कर लिया है। एक खास समुदाय द्वारा अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा देना, वोट बैंक के लिए एक धार्मिक समुदाय का तुष्टिकरण करना, और सीमा पर घुसपैठ के बावजूद राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने पर चुप रहना ये सब सिर्फ़ सत्ता में बने रहने के लिए है। असम अपनी विरासत, अपनी गरिमा और अपने लोगों की रक्षा के लिए साहस और संवैधानिक स्पष्टता के साथ लड़ता रहेगा।

सीएम ममता ने क्या किया था पोस्ट?

सीएम ममता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए बीजेपी पर विभाजनकारी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने लिखा कि देश में देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा, बांग्ला, असम की भी दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में रहना चाहने वाले नागरिकों को उनकी अपनी मातृभाषा को बनाए रखने के लिए उत्पीड़न की धमकी देना भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है। उन्होंने लिखा कि असम में बीजेपी का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूं जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

ममता सिर्फ बंगाली मुसलमानों को पसंद करती हैं

ममता बनर्जी ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वह राजनीतिक फायदे के लिए बांग्ला भाषा को अपना हथियार बना रहे है। जिसको लेकर असम सीएम ने कहा कि ममता बनर्जी बंगालियों को नहीं बल्कि सिर्फ बंगाली मुसलमानों को पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर बनर्जी बंगाली मुसलमानों के लिए असम आती हैं तो असमिया और बंगाली हिंदू उन्हें बख्शेंगे नहीं। सीएम ने कहा कि असम में बंगाली भाषा हिंदू और असमिया समाज सब मिलकर रहते हैं। असम में बंगाली हिंदुओं को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हैं।

दरअसल, असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने एक बयान में कहा था कि बंगाली बोलने वाले व्यक्ति की पहचान बांग्लादेशी या विदेशी के रूप में की जा सकती है। जिस पर पलटवार करते हुए बीजेपी पर आरोप लगाया कि पहले ओडिशा और दिल्ली में कई लोगों को बांग्लादेशी बताकर बदनाम किया गया। सरमा के इस बयान को लेकर ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध किया था।

बांग्ला में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा

ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषा विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर असम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देशभर में सबसे ज्यादा बांग्ला भाषा बोली जाती है। असम में भी दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने बाली भाषा बांग्ला है। ममता बनर्जी ने कहा कि लोग सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक ढंग से रहना चाहते है। उनको अपनी मातृभाषा को बनाए रखने के लिए उत्पीड़न की धमकी देना भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है।

असम सरकार कर रही है सारी हदें पार

सीएम ममता बनर्जी ने असम सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि असम में बीजेपी का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूं जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

पुरी में दरिंदगी की हद! नाबालिग को जिंदा जलाया, पटनायक बोले- अपराधियों में सजा का डर नहीं

पुरी। ओडिशा के पुरी जिले में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां तीन युवकों ने एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से झुलसी लड़की को AIIMS भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, नाबालिग लड़की शनिवार सुबह बालंगा क्षेत्र में एक दोस्त से मिलने गई थी।उसी दौरान तीन युवकों ने अचानक उस पर हमला कर उसे ज्वलनशील पदार्थ से भिगोकर आग लगा दी। घटना के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

लड़की की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग दौड़े और उसे तुरंत पिपिली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे एम्स भुवनेश्वर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुरी एसपी इंचार्ज पिनाक मिश्रा ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस टीम मौके पर जांच कर रही है, और आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि हमें अभी तक किसी भी प्रकार की लिखित शिकायत नहीं मिली है, और ग्रामीण जानकारी देने से कतरा रहे हैं। नवीन पटनायक ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इस घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं शासन की विफलता की ओर इशारा करती हैं। अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं, जिन्हें सजा मिलने की कोई चिंता नहीं। क्या ओडिशा सरकार इस गहरी नींद से जागेगी और अपराधियों को पकड़ने के लिए तुरंत कार्रवाई करेगी? महिलाओं के लिए ओडिशा असुरक्षित होता जा रहा है।

इस घटना पर ओडिशा की उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रभाती परीडा ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, पीड़िता को तुरंत एम्स भुवनेश्वर शिफ्ट किया गया है, और राज्य सरकार उसके इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की जांच और आरोपियों की तलाश

इस घटना ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। PCC की स्टडी कमेटी (श्रीकांत जेना, जयदेव जेना, देवाशीष पटनायक, मानस आचार्य, प्रदीप महापात्र) दोपहर 12:15 बजे एम्स पहुंचकर पीड़िता की हालत का जायजा लिया।

अफेयर की चर्चाओं के बीच एली ने आशीष चंचलानी को डांटा, बोलीं- 'चुप कर'; वीडियो हुआ वायरल

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री एली अवराम का नाम मशहूर यूट्यूबर और एक्टर आशीष चंचलानी के साथ जोड़ा जा रहा है। इन चर्चाओं को हवा एक हफ्ते पहले आशीष चंचलानी की एक पोस्ट से और भी मिली थी। अब एक बार फिर एली और अशीष साथ नजर आए हैं। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है और वायरल है।

फिर एली अवराम के साथ नजर आए आशीष

एली अवराम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इस वीडियो स्टोरी में एली अपनी कुछ दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं। तभी एली के इस वीडियो में आशीष चंचलानी भी नजर आते हैं। आशीष लोगों को हेलो-हाय बोलते हैं। तभी आशीष कुछ कहते हैं जिस पर एली बड़े प्यारे अंदाज में कहती हैं 'चुप कर।' दोनों का ये वीडियो अब लोगों को काफी पसंद आ रहा है। वहीं इस वीडियो के सामने आने के बाद आशीष और एली के अफेयर को लेकर चर्चाएं और भी तेज हो गई हैं।

आशीष के पोस्ट से उड़ी थीं अफेयर की चर्चाएं

इससे पहले दोनों के अफेयर की चर्चाओं को तब और हवा मिली थी जब पिछले हफ्ते आशीष चंचलानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एली अवराम के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में आशीष एली को गोद में उठाए हुए थे। तस्वीर को शेयर करते हुए आशीष ने कैप्शन में 'फाइनली' लिखा था। आशीष के इसी कैप्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद लोगों ने ऐसे कयास लगाए थे कि आशीष और एली ने अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। इस पोस्ट पर दोनों के फ्रैंड्स ने इन्हें बधाई भी दी थी। हालांकि, अब ये रिश्ते का कंफर्मेशन था या कोई प्रमोशनल ट्रिक ये अभी कंफर्म नहीं है।

कई फिल्मों में नजर आ चुकी है एली

एली अवराम एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। वो 'किस किसको प्यार करूं', 'जबरिया जोड़ी', 'मलंग', 'गुडबाय' और 'गणपथ' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जबकि आशीष चंचलानी भारत के टॉप यूट्यूबर्स में शामिल हैं। इसके अलावा आशीष कुछ एक मिनी वेब सीरीज में भी नजर आ चुके हैं।

'सैयारा' देखने पहुंचे दर्शक, पर्दे पर अहान पांडे को देख दिए ऐसे रिएक्शन कि वायरल हो गया वीडियो

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। दोनों ने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। फिल्म को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। मोहित सूरी ने फिल्म का ज्यादा प्रचार नहीं किया है फिर भी फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं।

वायरल वीडियो में फैंस दिखे उत्साहित

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि फैंस फिल्म 'सैयारा' को देखने सिनेमाहॉल पहुंचे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही अहान पांडे स्क्रीन पर आते हैं, वैसे ही उनके फैंस सिनेमाघरों में अपनी शर्ट उतारते हैं। फिल्म में गाना बजने पर फैंस अपनी सीट से उठ

जाते हैं। कह सकते हैं कि अहान पांडे के डेब्यू करने से फैंस बहुत खुश हैं।

फिल्म को शुरुआत में मिली अच्छी प्रतिक्रिया

आपको बता दें कि फिल्म 'सैयारा' जैसे ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई उसके कुछ ही देर बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने इसके बारे में लिखा। यूजर्स ने फिल्म की काफी तारीफ की। कई यूजर्स ने अहान पांडे की अदाकारी की भी तारीफ की। पहले ही दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छी कमाई की। पहले ही दिन फिल्म ने 21 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया। इस फिल्म का बजट लगभग 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस हिसाब से फिल्म ने पहले दिन बहुत अच्छी कमाई की है।

फिल्म 'सैयारा' के बारे में

मोहित सूरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सैयारा' को आदित्य चोपड़ा और अक्षय विधानी ने प्रोड्यूस किया है। इसकी पटकथा को रोहन शंकर और संकल्प सदाना ने लिखा है। दर्शकों को फिल्म की कहानी खूब पसंद आई है। यह फिल्म पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर 'छावा' है।

अफेयर की चर्चाओं के बीच एली ने आशीष चंचलानी को डांटा, बोलीं- 'चुप कर', वीडियो हुआ वायरल

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री एली अवराम का नाम मशहूर यूट्यूबर और एक्टर आशीष चंचलानी के साथ जोड़ा जा रहा है। इन चर्चाओं को हवा एक हफ्ते पहले आशीष चंचलानी की एक पोस्ट से और भी मिली थी। अब एक बार फिर एली और अशीष साथ नजर आए हैं। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है और वायरल है।

फिर एली अवराम के साथ नजर आए आशीष

एली अवराम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इस वीडियो स्टोरी में एली अपनी कुछ दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं। तभी एली के इस वीडियो में आशीष चंचलानी भी नजर आते हैं। आशीष लोगों को हेलो-हाय बोलते हैं। तभी आशीष कुछ कहते हैं जिस पर एली बड़े प्यारे अंदाज में कहती हैं 'चुप कर।' दोनों का ये वीडियो अब लोगों को काफी पसंद आ रहा है। वहीं इस वीडियो के सामने आने के बाद आशीष और एली के अफेयर को लेकर चर्चाएं और भी तेज हो गई हैं।

आशीष के पोस्ट से उड़ी थीं अफेयर की चर्चाएं

इससे पहले दोनों के अफेयर की चर्चाओं को तब और हवा मिली थी जब पिछले हफ्ते आशीष चंचलानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एली अवराम के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में आशीष एली को गोद में उठाए हुए थे। तस्वीर को शेयर करते हुए आशीष ने कैप्शन में 'फाइनली' लिखा था। आशीष के इसी कैप्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद लोगों ने ऐसे कयास लगाए थे कि आशीष और एली ने अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। इस पोस्ट पर दोनों के फ्रैंड्स ने इन्हें बधाई भी दी थी। हालांकि, अब ये रिश्ते का कंफर्मेशन था या कोई प्रमोशनल ट्रिक ये अभी कंफर्म नहीं है।

कई फिल्मों में नजर आ चुकी है एली

एली अवराम एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। वो 'किस किसको प्यार करूं', 'जबरिया जोड़ी', 'मलंग', 'गुडबाय' और 'गणपथ' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जबकि आशीष चंचलानी भारत के टॉप यूट्यूबर्स में शामिल हैं। इसके अलावा आशीष कुछ एक मिनी वेब सीरीज में भी नजर आ चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com